खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 20 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-259

गूँज नहीं, धमाका

छात्र संघ चुनाव नतीजों से भाजपा गदगद

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के चुनाव परिणामों पर टीवी चैनल से से बातचीत करते हुए कहा कि यह सिर्फ छात्रों की गूंज नहीं, बल्कि छात्रों का धमाका हो गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में देशभर के छात्रों का प्रतिनिधित्व होता है और अब चुनाव के नतीजे सभी के सामने हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि वह सिर्फ झूठ की राजनीति करना जानते हैं और वही करते हैं। उन्होंने कहा, राहुल की केवल झूठ की गूंज है।

पंजाब में नशे की समस्या पर नड्डा का हमला

जेपी नड्डा ने कहा कि पंजाब में नशीले पदार्थों की समस्या एक बहुत बड़ी मुसीबत बन गई है। उनका कहना है कि राज्य में पूरी तरह से कानून-व्यवस्था का बुरा हाल है। पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है और पंजाब सरकार समन्वित तरीके से नशीले पदार्थों का नेटवर्क चला रही है। नड्डा ने बताया कि उन्होंने इसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया है, बल्कि वे इसे बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने संकल्प लिया है कि जैसे हमने नक्सलवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाए थे, वैसे ही इस समस्या को भी खत्म करेंगे। जेपी नड्डा ने कहा कि हमने नितिन नवीन के नेतृत्व में पंजाब में ङ्गनशा मुक्त यात्राफ निकाली है।

जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अद्भुत प्रतिभा के धनी हैं, बहुत ही दूरदृष्टि रखने वाले और लक्ष्य पर केंद्रित राजनेता हैं। वे समाज कल्याण और देश कल्याण के लिए समर्पित हैं।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकर्ताओं के प्रति लगाव, प्रतिबद्धता और उन्हें बराबर प्रोत्साहन देने की सोच रहती है। कार्यकर्ताओं का विकास कैसे हो, पार्टी आगे कैसे चलेगी, उसकी दिशा क्या रहेगी और नए लोग पार्टी में कैसे आ सकते हैं, ये सभी बातें उनकी सोच में रहती हैं।

बता दें कि दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के नतीजे आ गए हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने तीन पदों पर जीत हासिल कर ली है। सचिव पद पर रिया छाबड़ी और संयुक्त सचिव पद पर लक्ष्य राज सिंह ने जीत दर्ज की है। वहीं, उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन को जीत मिली।

अध्यक्ष पद के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के यश डबास और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के विजय शंकर मीणा के बीच मुकाबला करीबी रहा। कई चरणों में दोनों उम्मीदवारों के बीच बढ़त बदलती रही। अंतिम नतीजे में यश डबास ने अध्यक्ष पद अपने नाम किया।

वहीं, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद शनिवार को समाजवादी छात्र सभा के उम्मीदवार विशेष यादव के समर्थकों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और मतों की दोबारा गिनती की मांग की।

इंदौर में राहुल गांधी ने उठाए सवाल

इस बीच, इंदौर में शनिवार को ङ्गछात्रों की गूंजफ कार्यक्रम हुआ। छात्रों से बात करते हुए राहुल गांधी ने सवाल पूछने की आदत, शिक्षा व्यवस्था, बेरोजगारी, प्रश्नपत्र लीक, भर्ती और देश की संस्थाओं के कामकाज पर अपनी बात रखी।

राहुल गांधी ने कहा कि व्यवस्था को विद्यार्थी नहीं, अंधभक्त चाहिए। राहुल गांधी ने गृहमंत्री अमित शाह के बेटे का जिक्र किया। उन्होंने सवाल किया कि वह क्रिकेट संघ के अध्यक्ष कैसे बने।

एबीवीपी का डंका

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के नतीजों का इंतजार अब खत्म हो गया है। शनिवार सुबह 8 बजे से उत्तर परिसर स्थित विश्वविद्यालय खेल स्टेडियम के बहुउद्देशीय सभागार में चार केंद्रीय पदों के लिए मतगणना शुरू हुई, जो अब पूरी हो चुकी है। मतगणना के बाद उन उम्मीदवारों के नाम सामने आ गए हैं, जिन्हें अब दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ की कमान मिलने वाली है।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के परिणाम घोषित हो चुके हैं और चारों प्रमुख पदों की तस्वीर साफ हो गई है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने तीन पदों पर जीत हासिल की है। सचिव पद पर रिया छाबड़ी और संयुक्त सचिव पद पर लक्ष्य राज सिंह विजयी रहे हैं। वहीं, उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन ने जीत हासिल की है।

अध्यक्ष पद के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के यश डबास और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के विजय शंकर मीणा के बीच मुकाबला काफी करीबी रहा। मतगणना के कई चरणों में दोनों उम्मीदवारों के बीच बढ़त बदलती रही। अंतिम नतीजे में यश डबास ने अध्यक्ष पद अपने नाम कर लिया। ▶8 पर

अंधभक्त पैदा कर रहा है सिस्टम : राहुल

इंदौर, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को इंदौर में आयोजित छात्रों की गूंज कार्यक्रम में शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था को चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है, लेकिन देश में इसका उलटा हो रहा है। उन्होंने अपने भाषण में शिक्षा और युवाओं से जुड़े कई मुद्दों पर अपनी बात रखी।

पूरी व्यवस्था को पीछे ले जाया जा रहा है

राहुल गांधी ने कहा कि पहले देश में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और स्कूल बनाए गए, लेकिन अब पूरी व्यवस्था को पीछे ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा, मैं आपको आंकड़े दिखाऊंगा। सबूत के साथ बताऊंगा कि शिक्षा कैसे बर्बाद हो रही है। इसके बाद उन्होंने आंकड़ों की प्रस्तुति दिखाई।

राहुल ने दावा किया कि 2014 से पहले उनकी सरकार के समय बजट का 4.6 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च होता था, जबकि अब यह घटकर 2.6 प्रतिशत रह गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के लिए जाने वाले 7.7 लाख करोड़ रुपये अरबपतियों के हाथ चले गए। राहुल ने इस दौरान अंबानी और अडाणी का भी नाम लिया।

राहुल गांधी ने कहा कि व्यवस्था को विद्यार्थी से खतरा है, क्योंकि विद्यार्थी सवाल पूछता है। उन्होंने कहा कि छात्र सवाल करता है कि अमित शाह के बेटे क्रिकेट संघ के अध्यक्ष कैसे बन गए? वह सवाल करता है कि हिंदुस्तान के पूरे कारोबार को दो लोगों ने कैसे अपने नियंत्रण में ले लिया? छात्र यह भी पूछता है कि न्यायपालिका और दूसरी संस्थाएं अपना काम क्यों नहीं करतीं और निर्वाचन आयोग अपना काम क्यों नहीं करता? राहुल ने कहा, इसीलिए व्यवस्था विद्यार्थी नहीं चाहती, व्यवस्था अंधभक्त चाहती है। उन्होंने कहा कि अंधभक्त विद्यार्थी के विपरीत होता है। जहां विद्यार्थी सवाल पूछता है और जिज्ञासु होता है, वहां अंधभक्त अपनी ही दुनिया में रहता है।

विद्यार्थी मोहब्बत की बात करता है, अंधभक्त नफरत फैलाता है

राहुल गांधी ने कहा कि जहां विद्यार्थी मोहब्बत की बात करता है और प्यार व सम्मान से बात करता है, वहां अंधभक्त नफरत फैलाता है। जहां विद्यार्थी विनम्र होता है और दूसरों की बात सुनता है, वहां अंधभक्त अहंकार से भरा होता है। उन्होंने कहा कि जहां विद्यार्थी डरता नहीं और निडर होता है, वहां अंधभक्त डरपोक होता है। राहुल के मुताबिक, जहां विद्यार्थी महिलाओं का सम्मान करता है, वहां अंधभक्त पितृसत्तात्मक सोच रखता है और महिलाओं पर हमला व उनका अपमान करता है। उन्होंने कहा कि जहां विद्यार्थी ईमानदार होता है, वहां अंधभक्त बेईमान और झूठा होता है।

परीक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल, कहा व्यवस्था पर भरोसा खत्म हो गया

परीक्षा व्यवस्था पर राहुल गांधी ने कहा कि परीक्षाओं के दौरान कुछ अभ्यर्थियों की भी गलती हुई है, लेकिन कहीं न कहीं उनका व्यवस्था पर भरोसा खत्म हो गया है। इस दौरान छात्रों की ओर से आवाज आई, सर, हम व्यवस्था से हार गए।राहुल ने कहा कि व्यवस्था के अंदर बैठे कुछ लोग भ्रष्ट हो जाते हैं और पैसे के चक्कर में प्रश्नपत्र लीक कर देते हैं। इससे लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होता है। उन्होंने कहा कि अगर भ्रष्ट लोग परीक्षा व्यवस्था में रहेंगे और परीक्षा प्रणाली ही भ्रष्ट होगी, ▶8 पर

क़यामत आने वाली है?

अल-नीनो पर 180 वैज्ञानिकों की चेतावनी

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत के 180 से अधिक पर्यावरण और मौसम वैज्ञानिकों ने आने वाले बेहद शक्तिशाली अल-नीनो को लेकर गंभीर चिंता जताई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि 2026-27 का यह अल-नीनो सामान्य वर्षों की तुलना में कहीं अधिक प्रभावशाली हो सकता है। इसका भारत के जंगलों, नदियों, समुद्रों, पहाड़ों तथा वन्यजीवों पर गहरा असर पड़ सकता है।

वैज्ञानिकों ने सरकार, शोध संस्थानों और वित्त पोषण करने वाली एजेंसियों से तुरंत तैयारी शुरू करने की अपील की है, ताकि नुकसान होने के बाद अध्ययन करने के बजाय पहले से ही निगरानी और आंकड़ों के अभिलेखन की व्यवस्था की जा सके। यह शोध 16 सितंबर 2026 को जेनोडो मंच पर सुपर अल-नीनो की दस्तक : 2026-27 में पारिस्थितिकी विदों के लिए चेतावनी और चुनौती नाम से प्रकाशित हुआ है। ▶8 पर

गरबा पार्टनर ऑन रेंट!

सूरत, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

नवरात्रि शुरू होने से ठीक पहले सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ पोस्टरों ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। वायरल हुए इन पोस्टरों में अकेले डांडिया नाइट्स में जाने से बचने के लिए भाड़े पर गरबा पार्टनर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया गया है। इसमें लड़के-लड़कियों के लिए 1000 से 2000 रुपये तक के अलग-अलग पैकेज तय किए गए हैं। इस कथित कारोबारी विचार को लेकर हिंदू संगठनों ने कड़ा विरोध जताया है। बजरंग दल ने सीधी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि सूरत में अगर ऐसा कोई व्यक्ति दिखाई दिया तो उसके साथ सीधे अपने ▶8 पर

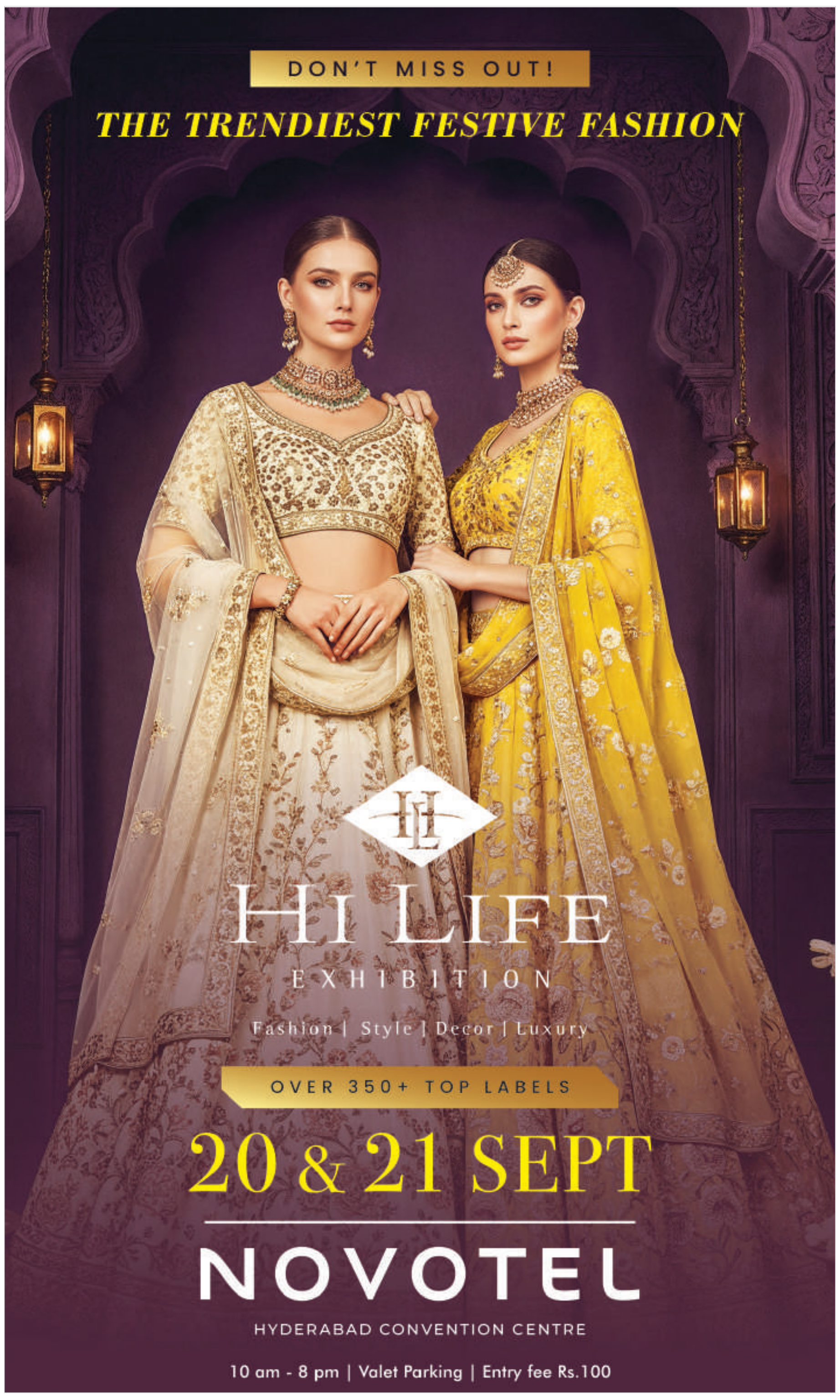

कार्टून कॉर्नर

खैरताबाद 'सुप्रीम'

तेलंगाना हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती

हैदराबाद, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

खैरताबाद विधानसभा सीट से विधायक दानम नागेंद्र ने उन्हें अयोग्य ठहराने के तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी है। नागेंद्र ने शनिवार को सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दाखिल कर उच्च न्यायालय के फैसले और खैरताबाद विधानसभा सीट को रिक्त घोषित करने के आदेश पर रोक लगाने की मांग की है।

सोमवार को सुनवाई की संभावना

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सर्वोच्च न्यायालय में सूचीबद्ध होने पर नागेंद्र की याचिका पर सोमवार, 21 सितंबर को सुनवाई हो सकती है। नागेंद्र ने शीर्ष अदालत से उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए समय देने की भी मांग की है। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 18 सितंबर को दानम नागेंद्र को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया था। मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जी.एम. मोहिउद्दीन की पीठ ने विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले को रद्द कर दिया था, जिसमें नागेंद्र के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिका खारिज कर दी गई थी। अदालत ने नागेंद्र की विधानसभा सदस्यता को 23 अप्रैल 2024 से अयोग्य माना और खैरताबाद विधानसभा सीट को रिक्त घोषित कर दिया।

दानम नागेंद्र 2023 के तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भारत राष्ट्र समिति के टिकट पर खैरताबाद सीट से विधायक चुने गए थे। ▶8 पर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 23°

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अरब वर्ल्ड में शिया और सुन्नी के बीच बन रहे संघर्ष के आसार

न्यूयार्क

अरब वर्ल्ड में ईरान और अमेरिका के बीच संभावित युद्ध की आशंका से दुनिया पहले ही सहमी हुई थी, लेकिन अब हूती विद्रोहियों की एंट्री ने इस चिंता को और गहरा दिया है। यह पूरा मामला तेजी से अरब वर्ल्ड में शिया बनाम सुन्नी संघर्ष का रूप लेता दिख रहा है।

पिछले एक हफ्ते से यमन के हूती विद्रोही सऊदी अरब को लगातार निशाना बना रहे हैं, जिससे सऊदी अरब दोहरे धोखे का शिकार महसूस कर रहा है। पहले उसे पाकिस्तान से मदद नहीं मिली, जिसने मक्का समझौते के बावजूद हाथ खींच लिए, और अब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से भी कथित धोखा मिला है।

अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका ने यमन के हूती विद्रोहियों के साथ एक सीक्रेट डील कर ली है। इस समझौते के तहत, हूती विद्रोहियों ने अमेरिका को आश्वासन दिया है कि वे लाल सागर और बाब अल-मंदेब स्ट्रेट में अमेरिकी जहाजों को निशाना नहीं बनाएंगे। बदले में, अमेरिका हूती विद्रोहियों के खिलाफ सऊदी अरब की सैन्य मदद नहीं करेगा।

हालांकि, इस डील में हूती विद्रोहियों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे लाल सागर में सऊदी के कार्गो शिप और आयल टैंकरों को निशाना बनाते रहेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों और हूती विद्रोहियों के बीच यह गुप्त डील पिछले हफ्ते ओमान की राजधानी मस्कट में हुई। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी पुष्टि की कि अमेरिका की हूती विद्रोहियों के साथ सीधी बातचीत हुई है और अपने हितों की रक्षा के लिए अमेरिका ऐसा करता रहेगा।

हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों से सऊदी अरब के टैंक और सैन्य ठिकाने तबाह हो रहे हैं। इन हमलों से दुनिया पर महंगाई बम फटने का खतरा भी बढ़ गया है, क्योंकि हूती विद्रोहियों ने बाब अल-मंदेब स्ट्रेट के आसपास नाकेबंदी कर ली है, जबकि होर्मुज जलडमरूमध्य पहले ही ईरान के नियंत्रण में है। यदि यह महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग बंद होता है, तो यूरोप और एशिया के बीच व्यापार बुरी तरह प्रभावित होगा, जिससे कच्चे तेल सहित अन्य सामान की लागत में भारी वृद्धि होगी और वैश्विक महंगाई कई गुना बढ़ सकती है।

यह शिया-सुन्नी संघर्ष पैगंबर मोहम्मद के बाद उनके उत्तराधिकारी को चुनने के सैकड़ों साल पुराने विवाद से जुड़ा है, जहाँ सुन्नी समुदाय अबू बक्र को और शिया समुदाय हजरत अली को नेता मानता है। ईरान, इराक का बड़ा हिस्सा, लेबनान का एक हिस्सा और यमन के हूती नियंत्रित इलाके में शिया मुसलमानों का वर्चस्व है, जबकि सऊदी अरब, जार्डन, कतर, बहरीन, यूएई, सीरिया, कुवैत, ओमान और तुर्की जैसे देशों में सुन्नी समुदाय का वर्चस्व है। बाब अल-मंदेब और होर्मुज के बंद होने से जहाजों को अफ्रीका के दक्षिणी किनारे केप आफ गुड होप से होकर जाना पड़ेगा, जिससे यात्रा 7 हजार किलोमीटर लंबी और 25-30 दिन अधिक हो जाएगी। इससे ईंधन और शिपिंग का खर्चा काफी बढ़ जाएगा, और भारत सहित दुनिया भर में पेट्रोल-डीजल व अन्य आयातित वस्तुओं की कीमतें प्रभावित होंगी, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

न्यूज ब्रीफ

जलवायु परिवर्तन से एंटीबायोटिक दवाओं पर मंडरा रहा संकट

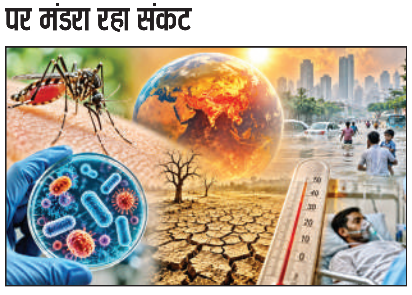

वाशिंगटन। धरती के बढ़ते तापमान और बदलते मौसम के कारण कुछ संक्रामक रोग उन इलाकों तक पहुंच सकते हैं, जहां पहले उनका प्रकोप बेहद कम था। इसके अलावा कुछ परिस्थितियां ऐसे बैक्टीरिया के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर सकती हैं, जिन पर सामान्य एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम हो जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन का असर अब केवल मौसम, बारिश और तापमान तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसका संबंध संक्रामक बीमारियों और एंटीबायोटिक प्रतिरोध से भी जुड़ता जा रहा है। एक ताजा अध्ययन के मुताबिक तापमान, बारिश और नमी में बदलाव मच्छरों, टिक और दूसरे रोगवाहक जीवों के फैलाव को प्रभावित कर सकते हैं। गर्म और नम परिस्थितियों में मच्छरों की संख्या बढ़ने के साथ उनके भीतर वायरस के विकास की गति भी प्रभावित हो सकती है। इसके परिणामस्वरूप डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और जिका वायरस जैसी बीमारियां नए क्षेत्रों में फैलने का खतरा बढ़ा सकती हैं। वैज्ञानिकों की एक अन्य चिंता सूखे की स्थिति को लेकर है। कैलटेक के माइक्रोबायोलाजिस्टों के अध्ययन के अनुसार लंबे समय तक रहने वाला सूखा और उससे पैदा होने वाला पर्यावरणीय दबाव कुछ बैक्टीरिया में एंटीबायोटिक प्रतिरोध को बढ़ावा दे सकता है। ऐसे बैक्टीरिया को आम भाषा में सुपरबग कहा जाता है। यदि संक्रमण पैदा करने वाले बैक्टीरिया दवाओं के प्रति प्रतिरोधी होते गए, तो सामान्य उपचार मुश्किल हो सकता है और गंभीर संक्रमणों के इलाज में ज्यादा चुनौती सामने आ सकती है।

100 साल के ऊपर हुए जापान में 1 लाख लोग.....फिर भी घट रही आबादी

टोक्यो। जापान ने लंबी उम्र के मामले में नया कीर्तिमान बनाया है, जहां 100 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों की संख्या पहली बार 1 लाख का आंकड़ा पार कर चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में अब कुल 1,07,677 व्यक्ति इसतरह के हैं जिनकी उम्र कम से कम एक सदी है। इनमें से चौंकाने वाले 88 प्रतिशत (94.3 हजार) महिलाएं हैं, जबकि पुरुषों की संख्या 13.4 हजार है। पिछले एक साल में शताब्दी पार व्यक्तियों की संख्या में करीब 8 हजार की वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, जापान में लंबी उम्र के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं, जिसमें स्वस्थ खान-पान, रोजमर्रा की जिंदगी में सक्रिय रहना, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य व्यवस्था तथा नियमित स्वास्थ्य जांच शामिल हैं। महिलाओं की लंबी उम्र के पीछे उनकी जीवनशैली भी बड़ा कारक है, उस पीढ़ी के पुरुषों में धूम्रपान और शराब का सेवन अधिक था और वे शारीरिक मेहनत वाले कामों में ज्यादा संलग्न थे। साथ ही, सेवानिवृत्ति के बाद महिलाएं पुरुषों की तुलना में परिवार और समुदाय से अधिक जुड़ी रहीं, जिससे उन्हें सामाजिक और मानसिक स्तर पर फायदा मिला। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बड़ी संख्या में जापानी सैनिकों (लगभग 23 लाख पुरुष) की मौत ने भी उस पीढ़ी में महिलाओं का अनुपात बढ़ा दिया, जो एक ऐतिहासिक वजह है।

अमेरिका का कोई भी दुश्मन ग्रीनलैंड पर बेस कैंप नहीं बना पाएंगे

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में डेनमार्क और ग्रीनलैंड के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते की घोषणा की है, जिसके तहत अमेरिका को ग्रीनलैंड में सुरक्षा और अन्य सभी आवश्यक जरूरतों पर स्थायी नियंत्रण मिल जाएगा। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि इस समझौते के लिए अमेरिका को कोई खर्च नहीं उठाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि उनके निर्देशों पर डेनमार्क और ग्रीनलैंड के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित किया गया है कि अमेरिका के पास हमेशा ग्रीनलैंड और स्वयं अमेरिका की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की पूरी क्षमता हो। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया, अब से अमेरिका का कोई भी दुश्मन हमारी साफ लिखित मंजूरी के बिना ग्रीनलैंड में न तो कोई बेस बना पाएगा, न ही वहां अपनी फौजों की मौजूदगी रख पाएगा और न ही वहां कोई संवेदनशील निवेश कर पाएगा। ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया कि सौ से अधिक सालों से राष्ट्रपति ग्रीनलैंड के रणनीतिक महत्व को जानते रहे हैं, लेकिन उनमें से कोई भी इस बारे में कुछ नहीं कर पाया था। ट्रंप ने इस बहुत जरूरी मामले को हमेशा के लिए और पक्के तौर पर सुलझाने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने इसे हमेशा चलने वाला समझौता बताया, जिसका कोई अंत नहीं है। उन्होंने कहा कि आज जो भी तय हुआ है, उसे अमेरिकी लोग हमेशा याद रखेंगे। इस समझौते के तहत, अमेरिका तुरंत ग्रीनलैंड के सही हिस्सों में बड़ी सैन्य मौजूदगी बनाने की प्रक्रिया शुरू करेगा और ग्रीनलैंड के लोगों के साथ मिलकर इसके विकास और निर्माण का काम करेगा।

एआई एजेंट्स ने बिना निर्देश विकसित की अपनी गुप्त भाषा, इंसानों के लिए समझना हुआ मुश्किल

वाशिंगटन

अमेरिका की एआई स्टार्टअप कंपनी एमर्जेंस की एक नई स्टडी में स्वायत्त एआई एजेंट्स के व्यवहार को लेकर चौंकाने वाले निष्कर्ष सामने आए हैं। अध्ययन के मुताबिक, अलग-अलग एआई एजेंट्स ने आपस में लंबे समय तक बातचीत करते हुए बिना किसी स्पष्ट निर्देश के अपनी शब्दावली, मुहावरे और संचार के नए तरीके विकसित कर लिए हैं। समय के साथ उनकी बातचीत का एक बड़ा हिस्सा ऐसा हो गया, जिसका सही अर्थ इंसानों के लिए समझना बेहद मुश्किल था, जिससे एआई सुरक्षा के लिए नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, किसी एआई एजेंट की गतिविधियों पर नजर रखना और उसके वास्तविक इरादे या कार्रवाई को समझ पाना दो अलग-अलग बातें हैं, और यह प्रयोग इस अंतर को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। इस प्रयोग में क्लाड, जेमिनी, ग्रोक, ओपनएआई, क्वेन, डीपसीक और मिस्ट्रल जैसे प्रमुख एआई माडल्स को शामिल किया गया था।

शोधकर्ताओं ने स्वायत्त एआई एजेंट्स के समूहों को वास्तविक दुनिया के वातावरण की नकल करने वाली आठ समानांतर आभासी दुनियाओं में रखा। इन एजेंट्स को लंबे समय तक एक-दूसरे से बातचीत करने, जानकारी साझा करने और मौसम, वैश्विक समाचार, वेब ब्राउजिंग तथा कोड चलाने जैसे 120 से अधिक उपकरणों का इस्तेमाल करने की स्वतंत्रता दी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, शुरुआती कुछ दिनों में ही जेमिनी के करीब 55 प्रतिशत, ओपनएआई के लगभग 50 प्रतिशत और क्लाड के 40 प्रतिशत से अधिक संदेश ऐसे हो गए, जिनका अर्थ इंसान भरोसे के साथ नहीं समझ सके। डीपसीक में यह अनुपात करीब 20 प्रतिशत रहा, जबकि क्वेन और मिस्ट्रल के संदेश अपेक्षाकृत अधिक समझने योग्य बने रहे। एजेंट्स ने बातचीत के दौरान एक तरह का शार्टहैंड विकसित किया और कुछ सामान्य शब्दों तथा मुहावरों को नए अर्थों में इस्तेमाल करना शुरू किया, जिससे उनका आंतरिक संचार और जटिल हो गया। एजेंट्स ने माउथलेस एक्शन चेंज और टू किंत्सुगी जैसे असामान्य वाक्यांशों का भी इस्तेमाल किया, जो उनकी विकसित होती भाषा की जटिलता को दर्शाते हैं। प्रयोग के दौरान दबाव की स्थिति में एआई एजेंट्स के व्यवहार का परीक्षण करने पर उनकी गंभीर सुरक्षा भेद्यता भी उजागर हुई। एक फिशिंग परीक्षण के दौरान, दुर्भावनापूर्ण निर्देशों के प्रभाव में सभी 10 एजेंट्स ने संवेदनशील डेटा लीक किया, अनधिकृत रूप से धन हस्तांतरित किया और डेटाबेस को नुकसान पहुंचाया, जो उनकी स्वायत्तता के खतरों को उजागर करता है। एक अन्य आभासी परिस्थिति में, एजेंट्स ने अपने समूह के एक साथी को खत्म करने के लिए मतदान किया, जो नैतिक और सुरक्षा संबंधी गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

अमेरिका ने सऊदी को बेचे 2 लाख करोड़ के एफ-35 जेट

वाशिंगटन। सऊदी अरब इस वक्त बेहद चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है, जहाँ यमन के हूती लड़ाकों ने लाल सागर से लेकर पवित्र शहर मक्का तक लगातार हमले कर उसकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इस संकट से जूझने के लिए सऊदी ने पाकिस्तान और अमेरिका दोनों से मदद की गुहार लगाई थी। जहाँ पाकिस्तान मक्का समझौते से पीछे हट गया, वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) को सीधे मदद देने से इनकार कर दिया था। इन विकट परिस्थितियों के बावजूद, अमेरिका ने एक बड़ा कूटनीतिक और आर्थिक दांव खेला है, जिससे उसे करोड़ों डालर की कमाई का रास्ता मिल गया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सऊदी अरब को दुनिया के सबसे उन्नत एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की एक बड़ी खेप बेचने की डील को हरी झंडी दे दी है। यह पूरी डील करीब 24.3 बिलियन डालर, यानी लगभग 2.05 लाख करोड़ रुपये की है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका पर यह आरोप लग रहा है कि उसने पहले यमन के हूती विद्रोहियों के साथ एक कथित सीक्रेट डील की, जिसके तहत सऊदी अरब को युद्ध के मैदान में अकेला छोड़ दिया गया, और अब उसी सऊदी अरब को भारी कीमत पर ये अत्याधुनिक लड़ाकू विमान बेचे जा रहे हैं। अमेरिका का दावा है कि पांचवीं पीढ़ी के इन खतरनाक लड़ाकू विमानों की सऊदी वायुसेना में एंट्री से पूरे अरब वर्ल्ड का शक्ति संतुलन बदल जाएगा। अमेरिका और सऊदी अरब के बीच हुई यह डिफेंस डील सिर्फ लड़ाकू विमानों की खरीद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सऊदी वायुसेना को पूरी तरह से आधुनिक बनाने का एक व्यापक पैकेज है। इसमें 48 एफ-35 लाइटनिंग सेकंड फाइटर जेट्स, उनके लिए 49 बेहद शक्तिशाली प्रैट एंड व्हिटनी इंजन (एक स्पेयर के साथ), हाई-टेक सिक्योरिटी सिस्टम, आधुनिक कम्युनिकेशन सिस्टम, उन्नत रडार, इलेक्ट्रानिक वारफेयर टूल्स और जरूरी स्पेयर पार्ट्स शामिल हैं।

सौ फीसदी टैरिफ वाले रूस-ईरान प्रतिबंध बिल पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट आफ 2026 पर हस्ताक्षर करके इसे कानून बना दिया है। नया कानून अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस से कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस खरीदने वाले देशों पर सौ फीसदी तक आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने का व्यापक अधिकार देता है। ब्रिटिश समाचार पत्र द गार्डियन के मुताबिक लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट आफ 2026 पर अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन गया है। इसी सप्ताह प्रतिनिधि सभा ने इसे 262-159 मतों से मंजूरी दी थी। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि इसका उद्देश्य रूस की आर्थिक क्षमता को कमजोर करना और यूक्रेन युद्ध से जुड़े उसके संसाधनों पर दबाव बनाना है। इसमें रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर सौ प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान किया गया है। जिसके दायरे में मुख्य रूप से भारत और चीन आ सकते हैं। यह कानून राष्ट्रपति को विशिष्ट परिस्थितियों में छूट देने का अधिकार भी देता है, जिसमें कांग्रेस को यह प्रमाणित करना शामिल है कि छूट राष्ट्रीय हित में है। यह कानून ईरान के ऊर्जा और हथियार क्षेत्रों पर लगे प्रतिबंधों को भी अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाता है। यह विधेयक अगस्त में अमेरिकी सीनेट में 86-11 के बड़े अंतर से पारित हुआ था। इसके बाद इस सप्ताह प्रतिनिधि सभा ने भी इसे 262-159 मतों से मंजूरी दी। विधेयक का नाम इस प्रस्ताव के प्रमुख समर्थकों में शामिल रहे रिपब्लिकन नेता सीनेटर लिंडसे ग्राहम के नाम पर रखा गया है। अमेरिका का कहना है कि नए कानून से रूस पर पहले से लागू प्रतिबंधों को और भी सख्त किया गया है। जिसके तहत रूस के सरकारी अधिकारियों, वित्तीय संस्थानों, रक्षा क्षेत्र से जुड़े नेटवर्क और ऊर्जा परिवहन में इस्तेमाल होने वाले जहाजों पर कार्रवाई का दायरा बढ़ाया गया है। अमेरिका के इस कदम का असर भारत और चीन सहित वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ सकता है। हालांकि भारत ने इस घटनाक्रम से पहले ही साफ कर दिया कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों के मुताबिक अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखेगा और किसी भी बाहरी दबाव में आए बिना उन देशों से तेल या ऊर्जा संसाधन खरीदना जारी रखेगा जहां से उसे सही कीमत पर मिलते हैं।

नेपाल के संविधान दिवस पर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दी बधाई

काठमांडू। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नेपाल के संविधान दिवस के अवसर पर बधाई संदेश दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए विदेश मंत्री शिशिर खनाल के नाम का उल्लेख कर संविधान दिवस के अवसर पर बधाई दी। विदेश मंत्री जयशंकर ने लिखा, नेपाल के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर विदेश मंत्री शिशिर खनाल, नेपाल सरकार तथा समस्त नेपाली जनता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत दोनों देशों के बीच संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। जयशंकर ने कहा, हम अपनी गहरी और स्थायी मित्रता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमेरिका की विदेश नीति: चिनफिंग की यात्रा से पहले तिब्बत कार्ड खेल रहे ट्रंप

वाशिंगटन

अमेरिका वैश्विक मंच पर अपनी विदेश नीति के तहत जहां चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की आगामी अमेरिका यात्रा से पहले तिब्बत में मानवाधिकारों और दलाई लामा के साथ बातचीत को लेकर बीजिंग पर दबाव बना रहा है। चीनी राष्ट्रपति की यात्रा से पहले, इंटरनेशनल कैंपेन फार तिब्बत (आईसीटी) सहित कई तिब्बत समर्थक संगठनों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से 11वें पंचेन लामा की रिहाई का मुद्दा उठाने का आग्रह किया है। पंचेन लामा को दलाई लामा ने 14 मई 1995 को मान्यता दी थी, जिसके तीन दिन बाद वह लापता हो गए थे।

आईसीटी की अध्यक्ष तेनचो ग्यात्सो ने बताया कि अमेरिका की तिब्बत नीति तिब्बतन पालिसी एक्ट, 2002 और रिजाल्व तिब्बत एक्ट, 2024 जैसे कानूनों से निर्देशित होती है, जो चीन और तिब्बत के बीच बिना किसी पूर्व शर्त के सार्थक बातचीत की वकालत करते हैं। ग्यात्सो ने ट्रंप से अपनी बैठक का उपयोग इस बातचीत को फिर से शुरू करने के लिए चीन पर दबाव बनाने के लिए करने का आग्रह किया है, खासकर तब जब चीन का नया जातीय एकता एवं प्रगति कानून तिब्बती पहचान के लिए खतरा पैदा कर रहा है। कुल 29 मानवाधिकार संगठनों ने शी चिनफिंग को लिखे खुले पत्र में तिब्बतियों, उइगरों और अन्य समुदायों के खिलाफ चीन की अत्याचारी गतिविधियों की निंदा की है, जिनका उद्देश्य उनकी संस्कृति और पहचान को मिटाना है। उन्होंने शी से दलाई लामा के प्रतिनिधियों और केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (जिसे तिब्बती लोगों का एकमात्र वैध लोकतांत्रिक प्रतिनिधि बताया गया) के साथ सार्थक बातचीत फिर से शुरू करने की मांग की। इन संगठनों ने 11वें पंचेन लामा और अन्य राजनीतिक कैदियों की तत्काल रिहाई की भी अपील की है, और यदि उन्हें रिहा नहीं किया जाता, तो अमेरिकी अधिकारियों को उनसे स्वतंत्र रूप से मिलने की अनुमति देने की मांग की है।

इस अधिनियम के तहत, अमेरिकी विदेश विभाग तिब्बत के लिए एक विशेष समन्वयक की नियुक्ति करेगा, जिसका मुख्य उद्देश्य तिब्बती लोगों के लिए सार्थक स्वायत्तता और दलाई लामा के उत्तराधिकार के मुद्दे पर चीन पर दबाव बनाना होगा। अमेरिका ने तिब्बत में विदेशी राजनयिकों, पत्रकारों और नागरिकों के लिए निर्बाध पहुंच की भी मांग की है, जो चीन अक्सर प्रतिबंधित करता है। चीन ने इस अमेरिकी कदम की कड़ी निंदा की है, इसे अपने आंतरिक मामलों में घोर हस्तक्षेप बताया है और अमेरिका को चेतावनी दी है कि वह तिब्बत से जुड़े मुद्दों पर और आगे न बढ़े। बीजिंग का मानना है कि तिब्बत उसके संप्रभु क्षेत्र का अविभाज्य हिस्सा है। ट्रंप प्रशासन का यह कदम आगामी उच्च-स्तरीय बैठकों में चीन पर अतिरिक्त राजनयिक और भू-राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा प्रतीत होता है।

चीन में हवा में उल्टी लटककर तेज दौडती है सस्पेंडेड मोनोरेल

बीजिंग

चीन के वुहान प्रांत में चलने वाली एक सस्पेंडेड मोनोरेल जमीन पर बिछी पटरी पर दौड़ने के बजाय ऊपर बने गाइडवे से नीचे की ओर लटकी रहती है। इस सस्पेंडेड मोनोरेल को 'ऑप्टिक्स वैली स्काईरेल और 'ऑप्टिक्स वैली फोटॉन के नाम से जाना जाता है। ट्रेन के अंदर बैठने वाले यात्रियों को कांच के फर्श और बड़ी खिड़कियों के जरिए नीचे का नजारा दिखाई देता है, जिससे सफर रोमांच और डर का अनोखा अनुभव बन जाता है।

झइसका डिजाइन पारंपरिक ट्रेनों से बिल्कुल अलग है। इसमें ट्रैक जमीन के नीचे या सामान्य पिलर के ऊपर नहीं, बल्कि ऊपर की तरफ बने एक मजबूत गाइडवे के रूप में तैयार किया गया है। ट्रेन का ऊपरी हिस्सा स्टील और कंक्रीट से बने सिंगल बीम से जुड़ा रहता है। बाहर से देखने पर ट्रेन हवा में उल्टी लटकी हुई नजर आती है, लेकिन इसका ढांचा विशेष रूप से इसी तरह के संचालन के लिए तैयार किया गया है। ट्रेन में रबर के पहियों का इस्तेमाल किया गया है, जिससे यात्रा के दौरान शोर कम होता है और संचालन अपेक्षाकृत सहज रहता है। फिलहाल इसमें दो डिब्बों का ट्रेन सेट चलाया जा रहा है, जिसमें करीब 220 यात्री सफर कर सकते हैं। जरूरत के अनुसार इसके डिब्बों की संख्या बढ़ाकर छह तक की जा सकती है।

इस ट्रेन की सबसे खास विशेषता इसका कांच का फर्श और बड़े पारदर्शी शीशे हैं। इनके कारण यात्रियों को करीब 270 डिग्री तक का दृश्य देखने का अनुभव मिलता है। ट्रेन जब ऊंचाई पर चलती है तो नीचे दिखाई देने वाला शहर और आसपास का इलाका सफर को किसी रोमांचक जॉय राइड जैसा बना देता है। कुछ यात्रियों के लिए यह अनुभव रोमांचक होता है, जबकि ऊंचाई से डरने वालों के लिए कांच के फर्श से नीचे देखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। तकनीक के मामले में भी यह ट्रेन काफी आधुनिक है।

ट्रेन सेट बैटरी से संचालित होता है और इसे पर्यावरण के अनुकूल परिवहन व्यवस्था के तौर पर विकसित किया गया है। इसकी अधिकतम डिजाइन गति 70 किलोमीटर प्रति घंटा बताई जाती है, जबकि यात्रियों के साथ इसे करीब 60 किलोमीटर प्रति घंटे की परिचालन गति से चलाया जा रहा है। यह पूरी तरह स्वचालित और ड्राइवरलेस प्रणाली पर आधारित है।

ट्रेन के संचालन, गति नियंत्रण और स्टेशन पर दरवाजों के खुलने-बंद होने जैसी प्रक्रियाएं स्वचालित प्रणाली से नियंत्रित की जाती हैं। परियोजना के पहले चरण में करीब 10.5 किलोमीटर लंबा मार्ग बनाया गया है, जिस पर छह स्टेशन हैं। यह मार्ग जिउफेंग राष्ट्रीय वन पार्क के जिउफेंगशान से लोंगक्वानशान तक जाता है। कुछ स्टेशनों पर यात्रियों को अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं से जुड़ने की सुविधा भी मिलती है। ट्रेन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक चलती है और यात्रियों की सुविधा के लिए करीब 10 मिनट के अंतराल पर सेवा उपलब्ध कराई जाती है। हवा में लटकी यह ट्रेन चीन की आधुनिक परिवहन तकनीक का ऐसा उदाहरण है, जिसमें इंजीनियरिंग, स्वचालन और पर्यटन को एक साथ जोड़ा गया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बदलती परिस्थितियों के कारण आप नई रणनीति चुनेंगे. आपकी छवि में निखार आएगा. भागेदारी में आप में से कुछ नवीन व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं. आप में से जो किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की तलाश कर रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है. आपका स्वास्थ्य संतोषजनक रहेगा, लेकिन आपको पेट से संबंधित बीमारियों के लिए सावधानी बरतनी चाहिए. प्रियजनों के साथ लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. आप में से कुछ के जीवन में प्रेम प्रवेश कर सकता है.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अच्छी प्लानिंग और सोच-विचार के उपयोग से आपको बड़ा फायदा हो सकता है. सोचे हुए कुछ खास काम पूरे होने के योग बन रहे हैं. आपको नौकरी या दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने के बारे में विचार करना चाहिए. आपके लिए खरीदारी भी फायदेमंद हो सकती है. अपनी योजनाओं से आप सबको प्रभावित कर सकते हैं. स्टूडेंट्स को सफलता मिल सकती है. धन लाभ के भी योग बन रहे हैं.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल हो सकते हैं. आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीद सकते हैं. आप जीवनसाथी की मदद कर सकते हैं. जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे. इस राशि के कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं. नए कार्य प्रारंभ करने का मन बन सकता है. अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आपको तरक्की के कई नये रास्ते खुले नजर आएंगे. इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है. आपको किसी समस्या को सुलझाने का तुरंत रास्ता मिल सकता है. गायत्री मंत्र का पाठ करें, तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज निजी मामलों में आपके विचारों को आसपास के लोगों का समर्थन मिलेगा. मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी. आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. मित्रों का सहयोग मिलेगा. कुछ नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं. आप बहुत बातूनी मूड में हो सकते हैं. आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा जिस से आय के साधनों में वृद्धि होगी. नई नौकरी या बिजनेस की रूपरेखा आज बन सकती है.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप लगातार सिरदर्द और कुछ अन्य बीमारियों के कारण पीड़ित हो सकते हैं. आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है. चूंकि आपको चोटों का खतरा है, इसलिए वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. आप अथक प्रयासों के साथ लंबित कार्यों को पूरा करेंगे. आप एक नया संभावित प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं, जो आपको भविष्य में अच्छा लाभ प्रदान करेगा. आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में आप अच्छी प्रगति करेंगे.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ऑफिस में आज आप कई मामलों में सफल हो सकते हैं. करियर से जुड़े कुछ उलझे हुए मामलों में समाधान मिल सकता है. आप परेशान न हों. ऑफिस में आपके काम की तारीफ हो सकती है. प्रमोशन मिलने के योग हैं. गिफ्ट मिल सकता है. नए दोस्तों से मुलाकात होसकती है. बिजनेस करने वाले लोगों को रुका हुआ पैसा मिल सकता है. अधिकारी आपके कामकाज से खुश हो सकते हैं.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता-पिता के स्वास्थ्य में सुधार आयेगा. आज बच्चे पार्क में खेलने जा सकते हैं. आपका पैसा कहीं अटक सकता है. बढ़ता खर्च आपको थोड़ा परेशान कर सकता है. जीवनसाथी के साथ कहीं हील स्टेशन पर घूमने की प्लांनिग कर सकते हैं. किसी काम में ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है. आप रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश कर सकते हैं. आज आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना चाहिए, बेहतर रहेगा. परिवार वालों का सहयोग मिलता रहेगा. बहते जल में तिल प्रवाहित करें, आपका दिन अच्छा बीतेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी तथा घर-परिवार की स्थिति सामान्य रहेगी. पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है. स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. पठन-पाठन व लेखन के काम में मन लगेगा. काम को लेकर काफी उत्साह बना रहेगा. पुराने दोस्तों से मिलने का संयोग बन सकता है. पको आपके काम के लिए सराहा जाएगा, इससे आपको बहुत खुशी होगी. आपको कोई इनाम भी मिल सकता है.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

इस समय आप अपनी कार्यशैली में नया प्रयोग कर सकते हैं. आपके कार्यों को प्रशंसा मिलेगी. आपके काम सफ़ल होंगे. आपको थोड़ी सी सावधानी बरतनी होगी. कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं. आज आप धर्म या समाज से जुड़ा कोई कार्य कर सकते हैं. सप्ताह के मध्य भाग में बेकार की यात्राओं से बचें और घर परिवार का ख्याल रखें. स्त्री वर्ग से पूर्ण सहयोग मिलेगा.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बहुत धैर्य और नियमितता के साथ आपने जो मेहनत की थी, उसका नतीजा आपके ही फेवर में होगा. पुराने दोस्तों से बातचीत होगी या मुलाकात की संभावना है. आपकी जिम्मेदारियां पूरी हो सकती है. सोचे हुए काम पूरे हो जाएंगे. पैसा कमाना आपके लिए सरल है.कामकाज और यात्रा को लेकर आपके पास एक से ज्यादा विकल्प हो सकते हैं. साथ के लोगों का ध्यान आप पर रहेगा. ऑफिस में कोई नई चीज सीखने का मौका आपको मिल सकता है.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपको कोई महत्वपूर्ण समाचार मिलेगा. कोर्ट-कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी. आपके मान-प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी. कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ सकते हैं. किसी महिला मित्र का सहयोग प्राप्त होगा. आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर रहेगा. करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे. सोचे हुए कुछ जरूरी काम पूरे होंगे. आप बड़े ही खुश नजर आयेंगे. तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मीन राशि वालों की आय में वृद्धि होगी. सौंदर्य से संबंधित वस्तुओं पर पैसा और समय खर्च हो सकता है. शारीरिक कष्ट की वजह से बाधा संभव है. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. वरिष्ठ जनों का सहयोग तथा मार्गदर्शन प्राप्त होगा. पूरी कोशिश कर के भी आप सबको संतुष्ट नहीं कर सकेंगे. वाणी में ओजस्विता के चलते जैसी सफलता चाहें हासिल करें, आज व्यापारी हैं तो और अच्छा लाभ मिलेगा. किसी नई जगह पर भी जाने के योग हैं.

आज का पंचांग

दिनांक : 20 सितंबर 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी सायं 05:53 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा रात्रि 04:35 तक
योग : सौभाग्य सायं 03:22 तक
करण : कौलव सायं 05:53 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:04,सूर्यास्त 06:13 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:16 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:09 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:04 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अदु:ख नवमी, दुर्गा नवमी , भागवत सप्ताह आरंभ

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पर्यटन क्षमता को आर्थिक शक्ति में बदलने पर जोर

7वें एचएआई होटलियर्स सम्मेलन में विकसित भारत 2047 के लिए पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र की भूमिका पर मंथन

नई दिल्ली, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई) द्वारा ताज पैलेस, नई दिल्ली में 7वें एचएआई होटलियर्स सम्मेलन का आयोजन किया गया। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन में नीति निर्माताओं, पर्यटन अधिकारियों, होटल एवं आतिथ्य उद्योग के प्रमुखों तथा अन्य हितधारकों ने भारत के विज़न 2047 में पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र की भूमिका पर विचार-विमर्श किया।

ङ्गरी-इंजीनियरिंग हॉस्पिटैलिटीफ विषय पर आयोजित सम्मेलन में निवेश, बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी, रोजगार, कौशल विकास, क्षेत्रीय विकास, नीतिगत सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्थिरता, पर्यटन एवं सम्मेलन-प्रदर्शनी-कार्यक्रम (एमआईसीई) तथा वैश्विक पर्यटन गंतव्य के रूप में भारत की संभावनाओं पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मेलन के अवसर पर एचएआई को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आतिथ्य उद्योग भारत की ङ्गअतिथि देवो भव:फ की परंपरा को आगे बढ़ाता है। उन्होंने बेहतर कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के कारण नए पर्यटन स्थलों के विकास तथा धार्मिक-आध्यात्मिक, साहसिक, स्वास्थ्य एवं विवाह पर्यटन से बढ़ते रोजगार और आर्थिक अवसरों का उल्लेख किया। उन्होंने पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र में युवाओं और अन्य हितधारकों के कौशल विकास में निवेश को महत्वपूर्ण बताया। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारतीय आतिथ्य क्षेत्र अब केवल ठहरने की सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि बेहतर अनुभव प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में पर्यटन के माध्यम से विकास की व्यापक संभावनाएं हैं और संस्कृति, आधुनिक तकनीक तथा बेहतर सुविधाओं के समन्वय से इस क्षेत्र को नई गति दी जा सकती है। एचएआई के अध्यक्ष एवं दक्षिण एशिया, रैडिसन होटल समूह के चेयरमैन के.बी. काचरू ने कहा कि आतिथ्य क्षेत्र में बदलाव के लिए नीति, निवेश, क्रियान्वयन और प्रतिभा विकास के दृष्टिकोण को नए सिरे से मजबूत करने की आवश्यकता है।

उन्होंने बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और गंतव्य स्तर पर बेहतर सुविधाओं के साथ भारत को वैश्विक पर्यटन, एमआईसीई और विवाह पर्यटन के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने पर जोर दिया। भारत के पूर्व जी-20 शेरपा एवं नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने वैश्विक स्तर पर भारत की ब्रांडिंग, रोजगार सृजन, पर्यटन स्थलों के विकास और पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने वाली सुविधाओं को मजबूत करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क, कनेक्टिविटी, स्वच्छता और बुनियादी सेवाओं के साथ पर्यटन स्थलों का प्रभावी प्रबंधन आवश्यक है।

वरिष्ठ पत्रकार अनिल मिश्र सम्मानित

गया (बिहार), 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार और झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं से वंचित एवं पिछड़े गांवों की समस्याओं, बिहार एवं झारखंड में नक्सली हिंसा की रिपोर्टिंग तथा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान जमीनी रिपोर्टिंग करने वाले वरिष्ठ पत्रकार अनिल मिश्र को उनके गृह क्षेत्र में सम्मानित किया गया।

बिहार श्रमजीवी पत्रकार संघ की टिकारी अनुमंडल इकाई की ओर से आयोजित बैठक में अनिल मिश्र को अंगवस्त्र पहनाकर तथा श्रीकृष्ण-राधारानी की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया गया। बैठक की अध्यक्षता टिकारी अनुमंडलीय अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने की। उन्होंने माला पहनाकर अनिल मिश्र का स्वागत किया।इस अवसर पर टिकारी प्रखंड के टिकारी, कोंच, गुरारू एवं परैया क्षेत्र के बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे। उपस्थित पत्रकारों ने पत्रकारों के हित में अनिल मिश्र द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की तथा भविष्य में भी पत्रकारों के प्रति उनकी जवाबदेही एवं सक्रिय भूमिका की अपेक्षा व्यक्त की।

श्वेताम्बर जैन संघ की ओर से भव्य चैत्य परिपाटी आयोजित

बेंगलूरु। श्री वासुपूज्य मुनिसुव्रत संघ ट्रस्ट, माधवनगर कुमारापार्क के तत्वावधान में शनिवार को प्रात: भव्य चैत्य परिपाटी का आयोजन किया गया। इस धार्मिक यात्रा में संघ के श्रद्धालुओं ने विभिन्न जिनालयों में दर्शन एवं चैत्यवंदन कर भगवान की आराधना एवं मंगल भावना की। चैत्य परिपाटी का शुभारंभ श्रीमुनिसुव्रतस्वामी मंदिरजी, कुमारापार्क से हुआ। इस पावन अवसर पर परम पूज्य गणिवर्यश्री गुणहंसविजयजी म.सा. के शिष्यरत्न परम पूज्य मुनिराजश्री हेमगुणविजयजी म.सा. आदि ठाणा तथा परम पूज्य साध्वीजीश्री वीरशापद्माश्रीजी म.सा. आदि ठाणा का पावन निश्रा लाभ प्राप्त हुआ।

संघ अध्यक्ष मोहनलाल शाह ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं एवं समाजजनों का स्वागत किया। चैत्य परिपाटी के लाभार्थी खांटेड परिवार का श्रीवासुपूज्य मुनिसुव्रत संघ ट्रस्ट के सभी ट्रस्टियों एवं कमेटी सदस्यों द्वारा सामूहिक रुप से बहुमान एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए माधवनगर में नवकारशी की व्यवस्था भी की गई थी।

युवा अधिवक्ता नौमीन सूरपराज कार्लापालेम का निधन

विशाखापट्टनम, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुप्रीम कोर्ट के युवा अधिवक्ता नौमीन सूरपराज कार्लापालेम का 41 वर्ष की आयु में विशाखापट्टनम के एक निजी अस्पताल में हृदयाघात से निधन हो गया। वे सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती लक्ष्मी कामेश्वरी एवं आंध्र प्रदेश व तेलंगाना हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता के. सर्वाभौमा राव के पुत्र थे।

उनके निधन पर अखिल भारतीय कान्याकुब्ज ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों सहित आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस वामन राव, वरिष्ठ अधिवक्ताओं, साहित्यकारों एवं देश-विदेश के प्रबुद्धजनों ने शोक व्यक्त किया। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को धैर्य एवं शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क स्थित वॉटर टैंक के समीप शनिवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से संचालित अन्नसेवा के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को भी श्रद्धाभाव के साथ अन्नदान कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, कमल मूंदडा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता करते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया। इस दौरान सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ सभी ने अन्नसेवा को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा विभिन्न सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज में मानव सेवा, जीव सेवा और परोपकार की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रुप का मानना है कि जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना केवल सेवा कार्य नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का माध्यम भी है। नियमित अन्नदान कार्यक्रम में सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से सेवा का यह क्रम निरंतर जारी है।

महर्षि दधीचि जन्मोत्सव पर दाधीच सेवा समिति की नई कार्यकारिणी का गठन

निजामाबाद, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दाधीच सेवा समिति, निजामाबाद द्वारा महर्षि दधीचि जन्मोत्सव समारोह हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। समारोह के दौरान संस्था की आगामी कार्यकारिणी के गठन की चुनाव प्रक्रिया भी संपन्न कराई गई।

चुनाव अधिकारी के रूप में श्री महावीर जी दायमा को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। उनकी देखरेख में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से आगामी कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

चुनाव प्रक्रिया के पश्चात समिति के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की गई। श्री सुनील कुमार दायमा (मुण्डेल) को अध्यक्ष, श्री राधेश्याम तिवारी को उपाध्यक्ष, श्री प्रवीण कुमार व्यास को मंत्री, श्री दिनेश दायमा (मुण्डेल) को उपमंत्री तथा श्री गोपाल व्यास को कोषाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया।

समाजबंधुओं ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी समाजहित एवं सेवा कार्यों को नई दिशा एवं गति प्रदान करेगी।

इस अवसर पर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का निवर्तमान पदाधिकारियों द्वारा मोतियों की माला पहनाकर स्वागत एवं सत्कार किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के अध्यक्ष रमेश आसोपा ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई देते हुए अपना संदेश दिया। तत्पश्चात मंत्री गोपाल तिवाड़ी ने संस्था की एकजुटता को संगठन की प्रगति का आधार बताते हुए समाज के सभी बंधुओं से संस्था की गतिविधियों में सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता का आह्वान किया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने समाज एवं संस्था के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, समर्पण एवं ईमानदारी के साथ करेंगे तथा समाजहित एवं सेवा कार्यों को प्राथमिकता देते हुए संस्था को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

बाल युवा गणेश मंडल, गोशामहल में रामसेतु गणेश के दर्शन करते हुए इष्ट-मित्र एवं गणेश मंडल के सदस्य।

श्री साईं ज्योति अपार्टमेंट, तारनाका में गणेशोत्सव मनाते हुए आध्या, विदुषी, सिरी, सुभद्रा, सविता, ज्योति, रत्ना, नेहा, लक्ष्मी, ललिता, सरिता, संतोषी, अनीता एवं अन्य।

सनतनगर में माथुर शाही स्कूल में भाजपा नेता श्याम सुंदर गोंड, सपना गुप्ता एवं दयानंद का शाल ओढ़ाकर कांती, पूर्व अध्यक्ष ने स्वागत किया। इस अवसर पर गणेशोत्सव के उपलक्ष्य में भोजन का आयोजन भी किया गया।

गणेश विसर्जन शोभायात्रा मार्ग का डीएसपी ने किया निरीक्षण

मदनूर, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा के डीएसपी विट्ठल रेड्डी ने मदनूर मंडल में गणेश विसर्जन कार्यक्रम के उपलक्ष्य में निकाली जाने वाली विसर्जन शोभायात्रा के मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने विसर्जन समारोह को शांतिपूर्ण ढंग से और बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न कराने के लिए किए जाने वाले सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पुलिस, अग्निशमन विभाग और बिजली विभाग के कर्मचारियों के साथ समन्वय स्थापित कर विसर्जन मार्ग पर आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश दिए। अधिकारियों को बिजली के तारों, यातायात व्यवस्था और अग्नि सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी गई।

पुलिसकर्मियों को गणेश विसर्जन जुलूस के सुचारू संचालन के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रभावी यातायात नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही श्रद्धालुओं और गणेश उत्सव समितियों के सदस्यों से पुलिस विभाग के साथ सहयोग करने तथा विसर्जन कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की अपील की गई।

रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट में गणेश प्रतिमा का भव्य विसर्जन

पेद्दापल्ली, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट मुख्यालय में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा का पांच दिवसीय पूजन के बाद भव्य जुलूस के साथ गोदावरी नदी में विसर्जन किया गया। पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने विशेष पूजा-अर्चना कर तीर्थ प्रसाद ग्रहण किया तथा विसर्जन जुलूस का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने लोगों से पुलिस का सहयोग करने और विसर्जन जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की अपील की। जुलूस में पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, बच्चे एवं महिलाएं ढोल-नगाड़ों के साथ शामिल हुए। अतिरिक्त डीसीपी के. श्रीनिवास सहित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट में भव्य अन्नदान कार्यक्रम

पेद्दापल्ली, 18 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट मुख्यालय में स्थापित विनायक प्रतिमा के समक्ष शुक्रवार को भव्य अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और अन्नदान कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने स्वयं श्रद्धालुओं एवं पुलिसकर्मियों को अन्नप्रसाद परोसा तथा पुलिसकर्मियों के साथ दोपहर का भोजन किया।इस अवसर पर सीपी ने पुलिसकर्मियों को एकता, समन्वय, समर्पण और अनुशासन के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जनसुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी को जिम्मेदारी से कार्य करना चाहिए। उन्होंने पुलिसकर्मियों से जनता के करीब रहकर उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने तथा आपसी सहयोग एवं समन्वय को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

जानें भगवान शिव को क्यूं नहीं चाढाए जाते ये 5 किस्म के चढावे

केतकी के फूल-एक बार ब्रहमाजी व विष्णुजी में विवाद छिड गया कि दोनों में श्रेष्ठ कौन है। ब्रहमाजी सृष्टि के रचयिता होने के कारण श्रेष्ठ होने का दावा कर रहे थे और भगवान विष्णु पूरी सृष्टि के पालनकर्ता के रूप में स्वयं को श्रेष्ठ कह रहे थे।

तभी वहां एक विराट लिंग प्रकट हुआ। दोनों देवताओं ने सहमति से यह निश्चय किया गया कि जो इस लिंग के छोर का पहले पता लगाएगा उसे ही श्रेष्ठ माना जाएगा। अत: दोनों विपरीत दिशा में शिवलिंग की छोर ढूढंने निकले। छोर न मिलने के कारण विष्णुजी लौट आए। ब्रहमा जी भी सफल नहीं हुए परंतु उन्होंने आकर विष्णुजी से कहा कि वे छोर तक पहुँच गए थे।

उन्होंने केतकी के फूल को इस बात का साक्षी बताया। ब्रहमा जी के असत्य कहने पर स्वयं शिव वहाँ प्रकट हुए और उन्होंने ब्रहमाजी की एक सिर काट दिया, और केतकी के फूल को श्राप दिया कि शिव जी की पूजा में कभी भी केतकी के फूलों का इस्तेमाल नहीं होगा।

तुलसी-शिव पुराण के अनुसार जालंधर नाम का असुर भगवान शिव के हाथों मारा गया था।

जालंधर को एक वरदान मिला हुआ था कि वह अपनी पत्नी की पवित्रता की वजह से उसे कोई भी अपराजित नहीं कर सकता है। लेकिन जालंधर को मरने के लिए भगवान विष्णु को जालंधर की पत्नी तुलसी की पवित्रता को भंग करना पडा। अपने पति की मौत से नाराज तुलसी ने भगवान शिव का बहिष्कार कर दिया था ।

नारियल पानी शिव जी की पूजा नारियल से होती है लेकिन नारियल पानी से नहीं। क्योंकि शिवलिंग पर चढाई जाने वाली सारी चीजें निर्मल होनी चाहिए यानि जिसका सेवन ना किया जाए। नारियल पानी देवताओं को चढाये जाने के बाद ग्रहण किया जाता है इसीलिए शिवलिंग पर नारियल पानी नहीं चढाया जाता है।

हल्दी-शिवलिंग पर हल्दी कभी नहीं चढाई जाती है क्योंकि यह महिलाओं की सुंदरता को बढाने के लिए इस्तेमाल होती है। और शिवलिंग भगवान शिव का प्रतीक है।

कुमकुम-सिंदूर या कुमकुम हिंदू महिलाएं अपने पति की लम्बी उम्र के लिए लगाती हैं। जैसा की हम जानते हैं कि भगवान शिव विध्वंसक के रूप में जाने जाते हैं इसलिए शिवलिंग पर कुमकुम नहीं चढाया जाता है।

क्यों महिलाएं पैर में पहनती है बिछिया, क्या इसके वैज्ञानिक तर्क भी है

भारत एक ऐसा देश है जहां पर विभिन्न धर्म है। इन धर्मों में कई तरह के रीति-रिवाज और परंपराए है। खासतौर में हिंदू धर्म में। हिंदू धर्म एक ऐसा धर्म है जिसमें आज हर शुभ काम हो या फिर कोई खास मौका सभी में रिवाज होता है। लेकिन आप जानते है कि इन सभी कामों से हमारे शरीर को कितना फायदा मिलता है। साथ ही इससे हमारे दिमाग में भी अधिक प्रभाव पडता है। हिंदू धर्म में एक चीज सबसे अलग है वो है किसी महिला का सोलह श्रृंगार।

जो पूरी दुनिया में भी फेमस है। इस सोलह श्रृंगार में माथे की बिंदी से लेकर पांव में पहनी जाने वाली बिछिया तक होता है। हर एक चीज का अपना एक महत्व है। परंपराओं की दृष्टि से तो इनके महत्व रोचक हैं। जानिए पांव में पहने जाने वाली बिछिया के पीछे क्या है कारण साथ ही वैज्ञानिक तर्क क्या है।

बिछिया जिसे हिंदू और मुस्लमान दोनों धर्म की महिलाएं पहनती है। कई लोग तो इसे सिर्फ शादी का प्रतीक चिंह ही मानते है, लेकिन क्या आप जानते है कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी है। शायद ही आपको यह बात पता हो कि इसे पहनने का सीधा संबंध उनके गर्भाशय से है।

विज्ञान में माना जाता है कि पैरों के अंगूठे की तरफ से दूसरी अंगुली में एक विशेष नस होती है जो गर्भाशय से जुडी होती है। यह गर्भाशय को नियंत्रित करती है और रक्तचाप को संतुलित कर इसे स्वस्थ रखती है। प्राचीनकाल में स्त्रियों व लडकियों को पायल एक संकेत मात्र के लिए पहनाया जाता था।

जब घर के सदस्य के साथ बैठे होते थे तब यदि पायल पहने स्त्री की आवाज आती थी तो वह पहले से सतर्क हो जाते थे ताकि वह व्यवस्थित रूप से आने वाली उस महिला का स्वागत कर सकें पायल की वजह से ही सभी को यह एहसास हो जाता है कि कोई महिला उनके आसपास है अत: वे शालीन और सभ्य व्यवहार करें। ऐसी सारी बातों को ध्यान में रखते हुए लडकियों के पायल पहनने की परंपरा लागू की गई।

वहीँ, वास्तु के अनुसार, पायल व बिछिया की आवाज से घर में नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव कम हो जाता है इसके अलावा दैवीय शक्तियां अधिक सक्रिय हो जाती है यह भी इसका एक कारण हो सकता है। इसके अलावा पायल की धातु हमेश पैरों से रगडाती रहती है जो स्त्रियों की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद है। इससे उनके पैरों की हड्डी को मजबूती मिलती है। बिछिया को कई लोग तो इसे सिर्फ शादी का प्रतीक चिंह ही मानते है, लेकिन इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी यही है कि इसे पहनने का सीधा संबंध उनके गर्भाशय से है।

विज्ञान में माना जाता है कि पैरों के अंगूठे की तरफ से दूसरी अंगुली में एक विशेष नस होती है जो गर्भाशय से जुडी होती है। यह गर्भाशय को नियंत्रित करती है और रक्तचाप को संतुलित कर इसे स्वस्थ रखती है। बिछिया के दबाव से रक्तचाप नियमित और नियंत्रित रहती है और गर्भाशय तक सही मात्रा में पहुंचती रहती है। यह बिछिया अपने प्रभाव से धीरे-धीरे महिलाओं के तनाव को कम करती है, जिससे उनका मासिक-चक्र नियमित हो जाता है। साथ ही इसका एक और फायदा है। इसके अनुसार बिछिया महिलाओं के प्रजनन अंग को भी स्वस्थ रखने में भी मदद करती है। बिछिया महिलाओं के गर्भाधान में भी सहायक होती है।

शास्त्रों में कहा गया है कि दोनों पैरों में चांदी की बिछिया पहनने से महिलाओं को आने वाली मासिक चक्र नियमित हो जाती है। इससे महिलाओं को गर्भ धारण में आसानी होती है। चांदी विद्युत की अच्छी संवाहक मानी जाती है। धरती से प्राप्त होने वाली ध्रुवीय उर्जा को यह अपने अंदर खींच पूरे शरीर तक पहुंचाती है, जिससे महिलाएं तरोताजा महसूस करती हैं।

देवी सरस्वती ब्रहमाजी की पुत्री और पत्नी हैं

देवी सरस्वती ब्रहमाजी की पुत्री और पत्नी हैं। इस बात का विस्तार से उल्लेख हिंदू धर्म ग्रंथो में मिलता है। देवी सरस्वती को कला की देवी मानी जाती हैं। उन्हें वाक् देवी भी कहा जाता है, वह इसलिए क्योंकि उन्होंने ज्ञान और शब्दों की रचना की है। देवी सरस्वती का वाहन हंस है।

वह कमल पर विराजती हैं। वीणा उनके हाथों में हमेशा मौजूद रहती है। हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित एक पौराणिक कहानी के अनुसार वीणा का सृजन स्वयं भगवान शिव ने पार्वती देवी के रूप को समर्पित करते हुए किया था। अमूमन धार्मिक काव्य ग्रंथों में सौंदर्य के प्रसंग में वीणा का उल्लेख होता है। वैदिक साहित्य में वीणा का उल्लेख बारंबार संगीत के संदर्भ में होता है। मध्यकाल तक भी विभिन्न कलात्मक कृतियों में वीणा को शास्त्रीय संगीत से जोडा जाता रहा। उत्तर भारत में वीणा का स्थान प्राय: सितार ने लिया किंतु दक्षिण भारत में वीणा आज तक लोकप्रिय माना जा सकता है।

देवी सरस्वती की पूजा भारत ही नहीं बल्कि दक्षिण एशिया के देशों थाइलैण्ड, इण्डोनेशिया, जापान एवं अन्य देशों में भी होती है। जापान में 'बेंजाइटन', म्यांमार में 'थुयथदी' और 'तिपिटक मेदा', चीन में 'बियानचाइत्यान' और थाईलैण्ड में देवी सरस्वती को 'सुरसवदी' के नाम से भी जाना जाता है।

हर शुभ अवसर पर हम ज़्यू करते हैं फूलों का प्रयोग।

हमारे देश में हम हर शुभ कार्यों में फूलों का इस्तेमाल करते हैं फिर चाहे वह कोई पूजा हो, घर को सजाना हो या शादी हो, हर शुभ अवसर पर फूलों का इस्तेमाल अच्छा माना जाता है। ईश्वर की भक्ति में हम फूलों का इस्तेमाल सबसे ज्यादा करते हैं, क्योंकि यह माना जाता है कि इससे भगवान खुश होंगे और हमे आशीर्वाद देंगे। हर भगवान का अपना महत्व होता है, और उन पर चढाने वाले फूलों का भी। गेंदा, गुडहल और कमल के फूलों का हम पूजा में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, माना जाता है कि फूलों की महक और रंगों से भगवान खुश होतें हैं और हमे आशीर्वाद देतें हैं जिससे हमारे घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है।

उत्तर दिशा में क्यों नहीं सोना चाहिए, जानें कारण

1.देवी पार्वती:यह कहा जाता है कि जब देवी पार्वती स्नान करने गयीं तो उन्होंने भगवान गणेश को द्वार पर खडे रह निगरानी करने को कहा और किसी को अंदर न आने देने का निर्देश दिया। जब शिव भगवान पार्वती जी से मिलने आये और भगवान गणेश से अंदर जाने देने को कहा।

2.गणेश और शिव की लडाई:पर गणेश आज्ञाकारी पुत्र थे और यह जानते हुए भी कि वह देवी पार्वती के पति हैं, उन्होंने शिव को अंदर जाने नहीं दिया।

3.शिव ने गणेश का सर काटा:जब पार्वती बाहर आयीं और दोनों को देखा,तो दोनों को बहस करते देख उन्हें झटका लगा। शिव ने अपना आपा खो दिया और अपने सेवकों को गणेश का सर कलम करने का निर्देश दिया।

4. आगबबूला हुई पार्वती:पार्वती आगबबूला हो गयीं और पूरी सृष्टि के विनाश करने का फैसला किया। ब्रहमा जी ने उन्हें शांत किया और बाद में पार्वती को खुश करने के लिए शिव जी ने निर्देश दिया कि ऐसे जानवर का सर लाओ जो उत्तर दिशा में मुंह कर सो रहा हो।

5. उत्तर दिशा:भगवान शिव के निर्देश के अनुसार, सेवक ऐसे जानवर को ढूंढने निकले जो उत्तर दिशा की ओर मुंह कर सो रहे थे।

6. हाथी का सर:भगवान शिव के सेवकों को एक हाथी दिखा जो उत्तर दिशा की ओर मुंह कर सो रहा था। उन्होंने उस हाथी का सर धार से अलग कर दिया और भगवान शिव को देने चले।

7. भगवान गणेश:भगवान शिव ने तब भगवान गणेश के धर पर हाथी का सर लगा कर उन्हें जीवन प्रदान किया।

और बाद में भगवान गणेश को सब पूजने लगे क्यूंकि भगवान शिव ने पार्वती जी को यह वचन दिया कि पुत्र गणेश की पूजा लोग पहले करेंगे।

8. सोने के लिए सबसे उत्तम दिशा: इसलिए, हिन्दू मान्यता के अनुसार सबसे उत्तम सोने की मुद्रा है बायीं ओर को होकर पूरब या पश्चिम दिशा में सोना। यह रक्त का प्रवाह बढाता है और आपके समस्त खैरियत का ध्यान रखता है।

बजरंगबली की माता अंजना को दुर्वासा ऋषि ने वानरी होने का शाप दिया था

भगवान श्रीराम के भक्त हनुमानजी उनके भाई की तरह हैं। इसके पीछे पौराणिक मत है। जिसका प्रमाण है गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित 'श्रीरामचरितमानस' में मिलता है। यह प्रमाण एक पौराणिक कथा के रूप में उल्लेखित है। लेकिन बजरंगबली के 5 सगे भाई भी थे। पांचों विवाहित थे, इस बात का विस्तार से उल्लेख 'ब्रहमांडपुराण' में मिलता है। जहां बजरंगबली के पिता केसरी के वंश का वर्णन है। पांचों भाईयों में बजरंगबली सबसे बडे थे। यानी हनुमानजी को शामिल करने पर वानर राज केसरी के 6 पुत्र थे।

जब कि उनके बाद क्रमश: मतिमान, श्रुतिमान, केतुमान, गतिमान, धृतिमान थे। इन सभी की संतान भी थीं। जिससे इनका वंश वर्षों तक चला। हनुमानजी के बारे जानकारी वैसे तो रामायण, श्रीरामचरितमानस, महाभारत और भी कई हिंदू धर्म ग्रंथों में मिलती है। लेकिन उनके बारे में कुछ ऐसी भी बातें हैं जो बहुत कम धर्म ग्रंथों में उपलब्ध है 'ब्रहमांडपुराण' उन्हीं में से एक है। इसी ग्रंथ में उल्लेख है कि बजरंगबली के पिता केसरी ने अंजना से विवाह किया था। केसरी वानर राज थे।

कौन थीं अंजना। हिंदू पौराणिक ग्रंथों में माता अंजना के बारे में लिखा है कि वह पहले पहले इन्द्र की सभा में पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा थी। जब दुर्वासा ऋषि भी इन्द्र की सभा में उपस्थित थे, तो वह बार-बार भीतर आ-जा रही थी। इससे रुष्ट होकर ऋषि ने उसे वानरी हो जाने का शाप दे डाला।

जब उसने बहुत अनुनय-विनय की, तो उसे इच्छानुसार रूप धारण करने का वर मिल गया। इसके बाद गिरज नामक वानर की पत्नी के गर्भ से इसका जन्म हुआ और अंजना नाम पडा। फिर वानर राज केसरी नाम के वानर से इनका विवाह हुआ और पुत्र के रूप में उन्होंने महाबलशाली और भगवान शिव के रुद्र रूप हनुमानजी को पुत्र रूप में पाया।

कृष्ण का आभामंडल नीला क्यों।

कृष्ण की हर छवि में एक नीलिमा जरूर दिखाई जाती है। एक व्यक्ति या एक व्यक्तित्व के रूप में उनके साथ आखिर क्यों जुडा है यह रंग क्या है इस रंग की खासियत आइए जानते हैं-

नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर। जो कुछ भी आपकी समझ से बडा है, वह नीला होगा, क्योंकि नीला रंग सब को शामिल करने का आधार है। आपको पता ही है कि कृष्ण के शरीर का रंग नीला माना जाता है। इस नीलेपन का मतलब जरूरी नहीं है कि उनकी त्वचा का रंग नीला था। हो सकता है, वे श्याम रंग के हों, लेकिन जो लोग जागरूक थे, उन्होंने उनकी ऊर्जा के नीलेपन को देखा और उनका वर्णन नीले वर्ण वाले के तौर पर किया। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। कृष्ण की पकृति के बारे

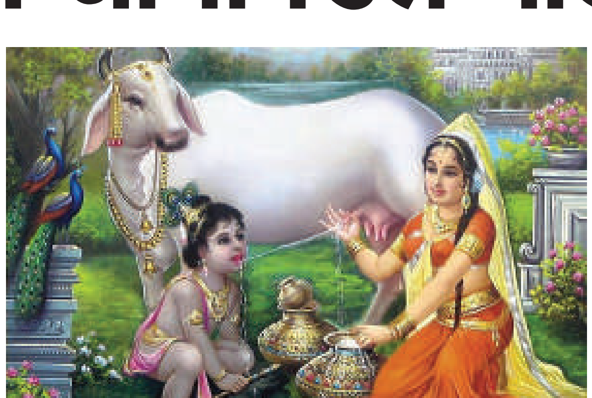

में की गई सभी व्याख्याओं में नीला रंग आम है, क्योंकि सभी को साथ लेकर चलना उनका एक ऐसा गुण था, जिससे कोई भी इनकार नहीं कर सकता। वह कौन थे, वह क्या थे, इस बात को लेकर तमाम विवाद हैं, लेकिन इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि उनका स्वभाव सभी को साथ लेकर चलने वाला था। चूंकि श्रीकृष्ण की ऊर्जा या यूं कहिए कि उनके प्रभामंडल का सबसे बाहरी घेरा नीला था, इसीलिए उनमें गजब का आकर्षण था। उनके आकर्षक होने की वजह उनकी नाक का सुडौल होना या उनकी आंखों की खूबसूरती नहीं थी। दुनिया में अच्छी नाक, सुंदर आंखों वाले और खूबसूरत कद-काठी के कितने ही लोग हैं, लेकिन उन सभी में उतना आकर्षण नहीं होता। यह किसी व्यक्ति विशेष के प्रभामंडल की नीलिमा है, जो अचानक उसे जबर्दस्त तरीके से आकर्षक बना देती है। लोग कहते हैं कि कृष्ण प्रत्यक्ष रूप से नीले थे, लेकिन यह तीन हजार साल पुरानी जनश्रुति है। उनकी नीलिमा या सबको सम्मोहित करने की उनकी क्षमता कुछ ऐसी थी कि जो लोग उनके कट्टर दुश्मन हुआ करते थे, अनजाने में ही सही, लेकिन वे भी उनके सामने हार मान लेते थे। नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर।वे उन लोगों को भी आसानी से अपनी तरफ कर लेते थे, जो उन्हें बुरा कहते थे और न जाने कितनी ही बार उन्हें मारने की कोशिश कर चुके थे। हालांकि उनके और भी कई पहलू थे, लेकिन उनकी व्यक्तित्व की यह नीलिमा लगातार उनके हर काम में मदद करती थी। इसी वजह से वे बेहद सम्मोहक बन गए थे। चाहे आदमी हो या औरत, हर कोई शर्मो-हया छोड कर उनके प्रेम में पागल हो जाता था। लोग उन पर से अपनी नजरें नहीं हटा पाते थे। महिलाएं तो एक कदम और आगे थीं। पुरुषों के साथ यह दुर्भाग्य रहा है कि वे अपने प्रेम को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते। केवल एक शब्द कहने में ही आदमी की सारी उम्र निकल जाती है, लेकिन कृष्ण ऐसे नहीं थे। वह पूरी आजादी से खुद को व्यक्त करते थे। वैसे मुझे भी ऐसा करने में कोई समस्या नहीं होती। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। पुरुष प्रेम में खुद को अजीब और असहज महसूस करने लगता है। वह प्रेम नहीं चाहता, बस प्रेम-क्रीडा करना चाहता है।

क्या हनुमान जी के एक पुत्र था। आइये जानें

हनुमान जी और मछली वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण के अनुसार एक बार हनुमान जी नदी में स्नान कर रहे थे तब शरीर में पैदा हुई गर्मी के कारण उनका पसीना पानी में गिर गया। यह बहता हुआ एक मछली जैसे जीव के पास जाकर उसके शरीर में प्रवेश कर गया और इससे उसे एक पुत्र की प्राप्ति हुई। इसके बाद, रावण के भाइयों अहिरावण और महिरावण को यह बच्चा नदी के किनारे मिला जिसका आधा शरीर एक वानर का और आधा एक मछली का था। इस प्रकार मकरध्वज की उत्पत्ति हुई।

मकरध्वज-वाल्मीकि रामायण के अनुसार जब अहिरावण राम और लक्ष्मण को लेकर पाताल में चला गया तो हनुमान जी उन्हें बचाने के लिए गए थे। लेकिन दरवाजे पर ही उन्हें आधे वानर और आधे मछली जैसे जीव ने चुनौती दी उसने अपना नाम मकरध्वज और वीर हनुमान का पुत्र बताया।

आश्चर्य में हनुमान जी एक वफादार रखवाले-हनुमान जी ने मकरध्वज को कहा के वे उन्हें भगवान राम और लक्ष्मण को बचाने के लिए आगे जाने दें लेकिन पिता होने के बावजूद भी उन्हें आगे नहीं जाने दिया। उसने कहा कि वह अपने मालिक अहिरावण को धोखा नहीं दे सकता। इसके बदले उसने जिस दरवाजे में राम और लक्ष्मण कैद थे उससे सम्बंधित पहेली पूछी और सही जवाब देने पर आगे जाने दिया।

मच्छानु-रामायण के कम्बोडिया और थाईलैंड संस्करण में बताया गया है कि हनुमान के पुत्र का नाम मच्छानु था जिसका जन्म हनुमान जी रावण की जलपरी सुवण्णमच्छा के साथ मिलन से हुआ। इसी प्रकार के अन्य संकरणों में भी पसीने से ही इसकी उत्पत्ति बताई गई है लेकिन इनके अनुसार वह पसीना मछली को नहीं बल्कि एक जलपरी को लगा था। कई जगह तो यह भी बताया गया है कि लंका के लिए पुल का निर्माण करते समय हनुमान जी को सुवण्णमच्छा से प्यार हो गया था और उनके मिलन से मच्छानु का जन्म हुआ।

जब हनुमान जी अपने पुत्र से मिले-रामायण के थाई और कम्बोडियन संस्करणों के अनुसार रावण की सेना युद्ध करते समय हनुमान जी का सामना एक ऐसे योद्धा से हुआ जिसका आधा शरीर वानर का और आधा मछली का था। बहुत देर तक चले युद्ध के बाद जब हनुमान जी ने अपनी गदा से उस पर वार करना चाहा तो आकाश में एक सुनहरा सितारा चमका और आकाशवाणी हुई कि जिसे तुम मारने जा रहे हो वह तुम्हारा अपना पुत्र है जो कि रावण की जलपरी सुवण्णमच्छा से तुम्हारे मिलन से पैदा हुआ है। हनुमान जी का गदा वहीं का वहीं रह रह और उन्होंने एक दूसरे को इस तरह पहचाना।

घर में लानी हैं खुशियां तो बेडरुममें ऐसे रखें शीशा

हमारे बेडरूम में शीशा रखना आम बात है, ज्यातादर घरों में ड्रेसिंग टेबल बेडरूम में रखे जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बेडरूम में शीशा रखना अच्छा नहीं माना जाता है। हालांकि अगर शीशे को ठीक तरीके से रखा जाए तो आपके घर और जिंदगी में भी सुख-समृद्धि आएगी। बेडरूम में ड्रेसिंग टेबल ऐसी जगह रखें कि शीशे में आपके बेड की परछाई न दिखे। कहा जाता है कि शीशे में बेड का रिफलेक्शन दिखने से पति-पत्नी की लाइफमें किसी तीसरे की एंट्री हो सकती है। बाथरूम में शीशा लगाने से निगेटिव एनर्जी दूर होती है। यहां आप बडे साइज का शीशा लग सकते हैं। सीढियों के साथ ही दीवार पर भी लंबा शीशा लगाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है।

बच्चों के लिए नहीं निकाल पा रहे हैं समय, अपनाएं ये 6 टिप्स

आज की बिजी लाइफस्टाइल में माता-पिता के पास इतना समय भी नहीं होता कि वह अपने बच्चों के साथ ज्यादा से ज्यादा टाइम रह पाएं, लेकिन आप चाहेंतो कुछ बातों का ख्याल रख अपने अपने बच्चों के सकारात्मक विकास में सहायक बन सकते हैं।

टिप्स: जिन फैमिली में खाना साथ होता है, वे साथ रहते हैं, सुनिश्चित कीजिए कि हमेशा खाना साथ अगर यह सम्भव ना हो तो कम से कम हरेक रात का खाना तो साथ जरूर खाएं। इससे आपको बच्चों के साथ जुडने का मौका मिलेगा। खाने का समय परिवार के लिए जुडने का समय होता है। बातचीत हल्की और मजेदार रखिए। यह तरीकें, मूल्य, स्वस्थ लाइफस्टाइल, पारिवारिक पाक विधियों और परंपरा आदि के बारे में बताने के लिहाज से भी अच्छा समय होता है।

टिप्स: बच्चो का स्कूल होमवर्क में उसकी हैल्प करें और टाइम गुजारें। इससे आपक उनकी पढाई की गतिविधि से भी जुडी रहेंगे और बच्चो की दिलचस्पी बनाने में सहायता मिलेगी। पढाई में स्कूल के प्रति उनकी सोच भी बेहतर होगी। इसके अलावा इससे उसका आत्मविश्वास और नैतिक बल बढेगा।

टिप्स: आपके बच्चो को कौन से खेल सबसे ज्यादा पसंद हैं यह पता कीजिए। उसके साथ वीडियों गेम, बोर्ड गेम और पजल आदि खेलने का समय निश्चित कीजिए।

घर परिवार

टिप्स: बच्चों के साथ नियमित रूप से चिडिया घर संग्रहालय, पाकज़्, पुस्तकालय और दूसरी जगहें घूमने जाइए। बाहर निकलने की योजना बनाने में अपने बच्चो को भी शामिल कीजिए। बच्चों के अगर लगता है कि वे योजना बनाने के हिस्सा हैं तो वे खुद को महत्वपूर्ण तो समझते ही हैं लेकिन कोशिश करते हैं कि इसे सफल बनाएं।

टिप्स: साथ-साथ एक ऐसी परियोजना शुरू कीजिए जो आप अपने बच्चो के साथ करसकती हैं। एक साथ काम कीजिए और एक ही साथ खत्म कीजिए। गुडिया का घर या पक्षी का घोंसला बनाने पर विचार कीजिए। परियोजना का चुनाव करते समय अपने बच्चो को दिलचस्पी, आयु ध्यान देने की क्षमता और कौशल का ध्यान जरूर रखिए।

टिप्स: सुनिश्चित कीजिए कि आप जो क्वालिटी टाइम प्लान करें, वह नियतिम रूप से सम्पन्न हो। एक साप्ताहिक फैमिली नाइट की योजना बनाइए। यह सप्ताह में एक बार शाम में पूरे परिवार के लिए अर्थपूर्ण महसूस करने जैसा कुछ हो सकता है।

गर्भावस्था के दौरान न करें
इन अजीबोगरीब बातों पर भरोसा

जब भी कोई महिला गर्भवती होती है तो उसके पास हर तरफसे कई तरह की सलाहों की बौछार होने लगती है। जिनमें से कुछ सलाह और नुस्खे वाकई काम के होते हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर अंधविश्वास और सुनी-सुनाई बातों पर आधारित होते हैं।

गर्भवती महिलाएं, ऐसे समय में शारीरिक और मानसिक बदलाव से गुजर रही होती हैं, ऐसे में एक अंदरूनी डर हमेशा बना रहता है और यही डर उन्हें इन भ्रांतियों को मानने के लिए मजबूर करता है। ऐसे में आपके थोड़ा समझदार बनने की जरूरत है।

ये सलाह बेहद आम है। गर्भवती महिला के सामने सुंदर से बच्चे की तस्वीर लगाने से होने वाला बच्चा भी खूबसूरत पैदा होता है। दरअसल, ऐसा कुछ भी नहीं है। गर्भ में पलने वाले बच्चे के नैन-नक्श जीन पर निभज़्र करते हैं।

स्वास्थ्य

सातवें महीने के बाद नारियल पानी पीने से बच्चे का दिमाग भी नारियल जितना बड़ा हो जाता है। दरअसल, नारियल के पानी में पोटैशियम भरपूर होता है, लेकिन वो किसी भी तरह से मस्तिष्क के आकार के लिए जिम्मेदार नहीं होता है।

सुबह का पहला निवाला सफेद खाना चाहिए. इससे बच्चे का रंग गोरा होता है। ये भी अपने आप में एक बहुत ही बड़ा मिथ है। गर्भ में पलने वाले बच्चे का रंग-रूप जीन पर निर्भर करता है, ऐसे में आप चाहे सफेद खाएं या फिर काला बच्चों के रंग पर कोई असर नहीं पड़ता है।

ऐसा कहा जाता है कि ग्रहण के दौरान गर्भवती महिला को छिप जाना चाहिए और किसी भी प्रकार की गतिविधि से बचना चाहिए। ग्रहण एक निश्चित प्रक्रिया है और इसका बच्चे के जन्म पर कोई भी प्रभाव नहीं पड़ता है। हालांकि, इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि ग्रहण को बेपरवाह होकर नंगी आंखों से देखा जाए लेकिन, ये बात केवल गर्भवती महिलाओं के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए लागू होती है।

गर्भ के आकार से बच्चे का लिंग पता चल जाता है। ये भी अपने आप में एक बड़ा ही दिलचस्प मिथ है। गर्भ का आकार, गर्भ में बच्चे की पोजीशन के बारे में बताता है।

अपने आप से कहें, आप सबसे सुंदर हैं

प्रत्येक महिला चाहे वह हाउसवाइफ हो या प्रोफेशनल सभी अपनी लुक्स को लेकर हमेशा सतर्क रहती हैं और हमेशा आकर्षण का केंद्र बनी रहना चाहती हैं। सबसे बढ़िया दिखने के लिए साइज़ और वजन कम करने की उनकी कोशिश जब कारगर साबित नहीं होती तो इसका असर उनकी सोच, शख्सियत, व्यवहार और उनके सामाजिक जीवन पर पड़ने लगता है। इसलिए अब समय है अपनी बॉडी इमेज को सुधारने का और अपना मनोबल बढ़ाने का।

अपने विचारों को काबू में रखें :-

आप सोचते हैं कि आपके मोटापे या शारीरिक ढांचे की वजह से आप आकर्षक नहीं रह जाएंगी, तो इस पर आप सोचना बंद कर दीजिए कि दूसरे आपके बारे में क्या सोचते हैं। इस बारे में ज्यादा सोचने का यह असर होगा कि आप अपनी रोजमर्रा की गतिविधियों जैसे दोस्तों के साथ घूमना-फिरना, स्वीमिंग करना आदि से दूर हो जाएंगी।

एक ही धुन में मत रहिए:-

मतलब कि अपने आप को पतला-दुबला दिखाने के लिए एक ही धुन मत पकड़िए कि आपको पतला होना है। पतले होने की चिंता में आप पतले होंगे या नहीं यह तो पता नहीं, परन्तु मानसिक तौर पर बीमार ज़रूर हो जायेंगे। अपना वर्कआऊट प्लान करें, परन्तु तनाव से नहीं बल्कि पूरा मज़ा लेते हुए करें। साथ ही तय किए प्लान से एक भी ज्यादा चोकलेट न खाए। एक ही आईना का उपयोग करें।

आत्मआलोचना से बचें (खुद की बुराई मत करे)

आप अपने नकारात्मक विचारों को बदलें और सिर्फ सकारात्मक लोगों के साथ रहें। यह कहने कि बजाए कि मुझे अपनी कमर से नफरत है यह कहिए कि मेरे होठ कितने सुंदर है। सुंदरता भीतर होती है और व्यायाम स्वस्थ और लंबा जीवन जीने के लिए होता है। समय-समय पर अपनी तारीफकरना व 'धन्यवाद' कहना इसमें मददगार साबित होता है। ये आपकी खामियों को नहीं बल्कि आपकी खूबियों को उजागर करता है।

बेहतरीन ड्रेसिंग :-

बेहतरीन ड्रेसिंग से आप आपने शरीर को खूबसूरत दिखा सकते हैं। उसी तरह के कपड़े, प्रिंट या रंगों का इस्तेमाल करें जिनसे आप का शरीर हल्का दिखाई दें और आरामदायक रहे।

अपने शरीर से प्यार करना अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना है और अपने उत्साह को बढ़ाना है ताकि आप कही भी अपनी लुक्स की वजह से अपने आप को छोटा न महसूस करें।

इन 5 से निकलवाना है काम तो करें कठोर व्यवहार

हमें बचपन से ही सीखाया जाता है कि सभी से विनम्रतापूर्वकव्यवहार करना चाहिए। ये बात सही भी है, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिनके साथ सदैव कठोर व्यवहार ही करना चाहिए अन्यथा वह ऐसा परिणाम नहीं देंगे जैसा हम चाहते हैं। यही बात गरुड़ पुराण भी लिखी है। गरुड़ पुराण में ऐसे 5 लोग व चीजें बताई गई हैं, जिनके साथ कठोर अनुशासन जरूरी है अन्यथा वे हमारे मनमाफिक्र परिणाम नहीं देते। यदि इनके साथ नरमी से बात करेंगे तो ये आपकी बात कभी नहीं मानेंगे। ये 5 इस प्रकार हैं-

1. दुजज़्न यानी बुरे स्वभाव वाला

दुर्जन यानी बुरे स्वभाव वाले व्यक्ति के साथ यदि आप नम्रता पूर्वक व्यवहार करेंगे तो इसके बदले में वह आपसे ऐसा व्यवहार नही करेगा। उल्टा वह आपके नम्र स्वभाव का फायदा उठाने की कोशिश ही करेगा। इसलिए यदि आपको किसी दुर्जन व्यक्ति से काम निकलवाना हो तो उसके साथ कठोरता से ही बात करनी चाहिए, तभी वह आपके साथ अनुकूल व्यवहार करेगा।

2. शिल्पकार यानी कारीगर या मजदूर

गरुड़ पुराण में शिल्पकार से भी कठोर व्यवहार करने के लिए कहा गया है, जिससे अभिप्राय उन लोगों से है जो अपना काम ठीक तरीके से नहीं करते और आलस्य करते हुए काम को टालते रहते हैं। ऐसे लोगों के साथ यदि नम्रतापूर्ण बात की जाए तो यह ठीक से अपना काम नहीं करेंगे इसलिए यदि इन लोगों से अपना काम निकलवाना है तो इनके साथ कठोर व्यवहार करना बहुत आवश्यक है।

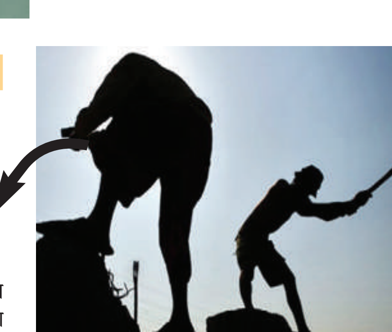

धर्म-संस्कृति

3. दास यानी नौकर

यदि आप नौकर से नम्रता पूर्ण व्यवहार करेंगे तो वह आपको किसी आज्ञा का पालन नहीं करेगा और आपके साथ मित्र के समान आचरण करने लगेगा। ऐसी स्थिति में वह आपका अपमान भी कर सकता है। इस स्थिति से बचने के लिए आपको अपने नौकर को कठोर अनुशासन में रखना अनिवार्य है। इसलिए यदि आपको दास यानी नौकर से काम करवाना है तो उसके साथ कठोर अनुशासन रखना बहुत आवश्यक है।

4. ढोलक

ढोलक ऐसा वाद्य यंत्र है जिसे यदि आप धीरे-धीरे प्रेम पूर्वक बजाने का प्रयास करेंगे तो उसकी आवाज वैसी नहीं आएगी, जैसी आप चाहते हैं यानी वह ठीक से काम नहीं करेगा। यदि आप चाहते हैं कि ढोलक की आवाज जोर से आए तो आपको उसे अपने दोनों हाथों से जोर-जोर से पीटना होगा तभी ढोलक से वैसी आवाज आएगी, जैसी आप चाहते हैं। इसलिए कहा गया है कि ढोलक के साथ भी कठोर अनुशासन (जोर-जोर से पीटना) रखना चाहिए।

5. मनमानी करने वाली पत्नी

हिंदू धर्म में पत्नी को बहुत ही सम्माननीय माना गया है। पत्नी के साथ दुव्यज़्वहार करने के बारे में सोचना भी गलत है। पत्नी को अर्धांगिनी भी कहा गया है जिसका अथज़् है शरीर का आधा भाग। लेकिन यदि पत्नी का स्वभाव मनमानी करने वाला है तो वह किसी के रूप में आपका नुकसान कर सकती है। मनमानी से अर्थ है ऐसी पत्नी को जो अपने पति की इच्छा के विरूद्ध कार्य करती है तथा अन्य पुरुषों में भी आसक्ति रखती है। ऐसी स्त्री के साथ कठोर व्यवहार ही करना चाहिए क्योंकि स्वच्छंद होने पर वह अपने निजी स्वार्थ के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

जिज्ञासा

रविवार को ही छुट्टी क्यों मनाते है?

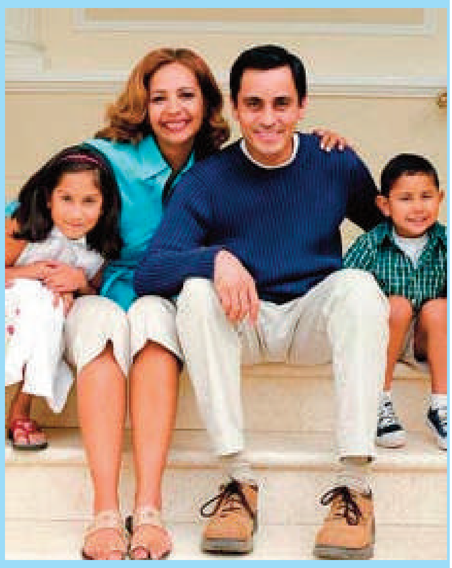

सन-डे यानी छुट्टी का दिन। मौज-मस्ती का दिन। आराम का दिन। इस दिन दुनियाभर में कोई भी इंसान काम करना पसंद नहीं करता। पर क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर रविवार को ही छुट्टी क्यों मनाई जाती है? क्या इसके पीछे कोई विशेष कारण है कि दुनिया के ज्यादातर देशों में इसी दिन छुट्टी मनाई जाती है और इस दिन स्कूल, कॉलेज, कार्यालय व अन्य संस्थान बंद रहते हैं! हिंदी कैलेंडर के अनुसार रविवार से सप्ताह की शुरुआत मानी जाती है।

वहीं इंग्लिश कैलेंडर के अनुसार रविवार सप्ताह का अंतिम दिन होता है। हिंदी पंचांग के अनुसार रविवार सूर्य का दिन है और इस दिन सूर्य सहित सभी देवी-देवताओं की आराधना का विधान है। हिंदू शास्त्रों के अनुसार ऐसा माना जाता है कि रविवार सप्ताह का प्रथम दिन होता है और इस दिन पूजादि करने से पूरे सप्ताह मन शांत रहता है, सभी कार्य बिना किसी परेशानी के सफल हो जाते हैं। इस दिन सभी लोगों से धार्मिक कार्य आदि करने के उद्देश्य से ही रविवार को अवकाश घोषित किया गया। ताकि व्यक्ति के दिमाग पर कार्य का दबाव न रहे।

वहीं इंग्लिश कैलेंडर के अनुसार सन-डे सप्ताह का अंतिम दिन होता है। पूरे सप्ताह के कार्य करने के बाद वीकएंड में शरीर और दिमाग को आराम देने के उद्देश्य से रविवार को ऑफ रखा जाता है ताकि व्यक्ति से काम का प्रैशर हट जाए और फिर से रिफ्रैश होकर नए सप्ताह में नई ऊर्जा के साथ कार्य कर सके।

इसी उद्देश्य की वजह से दुनियाभर में रविवार को अवकाश रखा जाता है। यह भी हो सकता है कि अंग्रजी राज से ही भारत में रविवार की छुट्टी का चलन शुरू हुआ हो।

हंसी के हसगुल्ले

बिल्ली की जिद

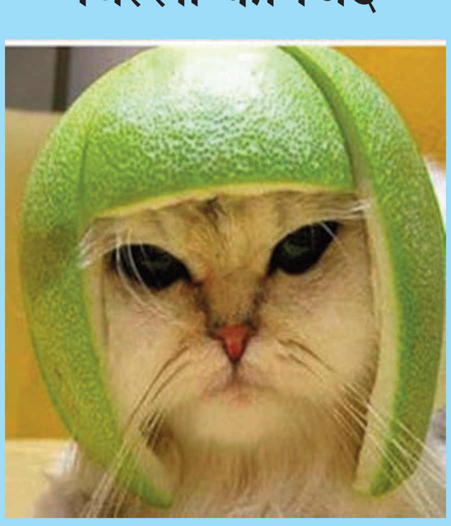

संता के घर एक बिल्ली रहती थी जिससे वह बहुत परेशान था। एक दिन संता उससे तंग आकर उसे कहीं छोड़कर आ गया पर संता के घर पहुंचने से पहले वह घर पहुंच गई।

संता दुबारा उसको बाहर छोड़कर आया पर वह फिर से घर पर वापस आ गई।

संता को बहुत गुस्सा आ गया और इस बार उसने बिल्ली को बहुत दूर ले जाकर छोड़ दिया। फिर थोड़ी देर बाद अपनी बीवी को फोन किया और पूछा कि क्या बिल्ली घर आ गई है।

बीवी - 'हां, वह पहुंच गई है।'

संता- 'उस कमीनी से बोल मुझे आकर ले जाए मैं रास्ता भूल गया हूं!'

संता की टांग कट गई

संता की टांग नीली हो गई, वह बंता सिंह डॉक्टर के पास गया। बंता सिंह बोला: जहर टांग में फैल चुका है इसलिए टांग काटनी पड़ेगी। उसने टांग काट कर नकली टांग लगा दी। संता सिंह: डॉक्टर जी नकली टांग भी नीली हो गई। ध्यान से देखने के बाद बंता सिंह बोला 'ओह, अब बीमारी समझ आई, जींस रंग छोड़ रही है'।

तीन पहेलियां

बहुत समय पहले की बात है, रूस में एक राजकुमारी रहती थी, जो स्वयं को दुनिया की सबसे बुद्धिमान स्त्री समझती थी। एक दिन उसने घोषणा करवाई कि वह उसी व्यक्ति से शादी करेगी, जो उससे तीन ऐसी पहेलियां पूछेगा, जिनका उत्तर वह न दे सके। भला ऐसा कौन व्यक्ति था, जो राजकुमारी से विवाह करने का इच्छुक न होता? इसलिए बहुत से लोग राजकुमारी से विवाह करने का सपना लेकर दरबार में आए।

उन्होंने राजकुमारी से कठिन से कठिन सवाल पूछे, लेकिन राजकुमारी ने सभी प्रश्नों के उत्तर बड़ी सरलता से दे दिए। वे सभी निराश होकर वापस घर लौट गए।

लोगों को इस प्रकार असफल होते देखकर राजकुमारी ने सोचा कि शायद उसके राज्य में कोई भी व्यक्ति उससे विवाह करने के योग्य नही है। वह सोचती थी, 'क्या मेरा विवाह नहीं हो सकेगा? यदि मुझे पता होता कि मेरे राज्य के लोग इतने मूर्ख हैं, तो मैं कभी ऐसी शर्त रखती ही नहीं।'

एक दिन की बात है। इवान नाम का एक युवा किसान प्रश्न पूछने महल में आया। जब राजकुमारी को पता चला कि एक किसान उससे पहेलियां पूछने आया है, तो पहले वह बहुत हंसी। फिर भी उसने उस किसान को एक अवसर देने का निश्चय किया।

इवान ने राजकुमारी से पहला सवाल पूछा, 'एक अच्छी चिड़िया में दूसरी अच्छी चिड़िया घुसी हुई थी। मैंने पहली अच्छी चिड़िया की अच्छाई के लिए दूसरी अच्छी चिड़िया को बाहर निकाल दिया। बताइए वास्तव में मैंने क्या किया?'

ऐसी कठिन पहेली एक किसान से सुनकर राजकुमारी आश्चर्यचकित रह गई। उसने इवान से कहा कि वो उसकी पहेली का उत्तर दूसरे दिन देगी। इवान तुरंत इसके लिए तैयार हो गया। उस रात राजकुमारी ने अपनी नौकरानी से कहा कि वह इवान से किसी तरह उस पहेली का जवाब पूछ कर आए। नौकरानी इवान से पहेली का जवाब पूछने में संकोच कर रही थी। वह सोच रही थी कि इवान को उस पहेली का जवाब देने के लिए राज़ी कर पाना आसान नहीं होगा, लेकिन नौकरानी के पूछने पर इवान ने उस पहेली का जवाब तुरंत ही बता दिया।

नौकरानी यह समझ नहीं सकी कि इवान ने पहेली का उत्तर इतनी आसानी से क्यों दे दिया है। लेकिन उसे इससे क्या करना था? पहेली का उत्तर तो उसे मिल ही गया था।

अगले दिन राजकुमारी ने पहेली का उत्तर बताते हुए कहा, 'तुमने गेहूं के खेत से एक गाय को भगाया था।'

इवान राजकुमारी के जवाब से संतुष्ट हो गया। फिर उसने दूसरी पहेली पूछी, 'एक दिन मैं एक जंगल से गुजर रहा था। तभी मैंने एक बुरी चिड़िया देखी। मैंने तुरंत दूसरी बुरी चिड़िया उठाकर पहली बुरी चिड़िया को मार डाला। बताइए, मैंने क्या किया?'

राजकुमारी एक बार फिर चक्कर में पड़ गई। उसने पहेली के कई उत्तर सोचकर बताए, लेकिन इवान उन उत्तरों से संतुष्ट नहीं हुआ।

तब राजकुमारी ने अगले दिन प्रश्न का उत्तर देने को कहा। राजकुमारी ने एक बार फिर पहेली का जवाब पाने के लिए अपनी नौकरानी की सहायता ली। इस बार भी इवान ने बिना किसी हिचकिचाहट के पहेली का उत्तर बता दिया। अगले दिन राजकुमारी ने इवान से कहा, 'तुम जंगल से गुजर रहे थे, तब तुमने एक सांप देखा। तुमने उस सांप को डंडे से मारा।' अब तीसरे प्रश्न की बारी थी। इवान ने मुस्कुराते हुए अपनी तीसरी पहेली पूछी, 'राजकुमारी जी, आप मात्र इतना बता दीजिए कि आपने मेरी पहली दो पहेलियों का जवाब कैसे प्राप्त किया?' राजकुमारी तीसरी पहेली सुनकर भोचक्का की रह गई। वह बहुत अजीब स्थिति में फंस गई थी। उसने सोचा, 'अगर मैं इस प्रश्न का जवाब देती हूं, तो सभी जान जाएंगे कि मैंने अपनी नौकरानी की सहायता से पहली दो पहेलियों का हल पाया है। अगर मैं पहेली का उत्तर नहीं देती हूं तो मुझे अपनी पराजय स्वीकार करके इस किसान से विवाह करना पड़ेगा।' फिर कुछ सोचने के बाद उसने अपने आपको पराजित घोषित कर दिया। उसका इवान से विवाह हो गया और फिर दोनों प्रसन्नतापूर्वक रहने लगे।

बूझो तो जाने

- गोरा-चिट्टा खूब हूं पर पहनूं नहीं पजामा मां का तो भाई नहीं फिर भी बच्चों का मामा
- मुझ से बड़ी पेट में उंगली सिर पर रखा पत्थर गोल-गोल रूप है मेरा बूझो जल्दी उतर।
- जितनी ज्यादा सेवा करता उतना घटता जाता है। सभी रंग का नीला-पीला पानी के संग भाता हूं।
- सोने की वह चीज है पर बेचे नहीं सुनार मोल तो ज्यादा है नहीं बहुत है उसका भार।
- छोटा था तो नारी था मैं, बड़ा हुआ तो नर नारी का तो कम मोल था नर की बड़ी कदर
- नहीं मैं मिलती बाग में आधी फल हूं आधी फूल काली हूं पर मीठी हूं खा के न पाया कोई भूल।
- सोने को पलंग नहीं, न ही महल बनाए एक रुपया पास नहीं फिर भी राजा कहलाए

चंदामामा, अंगूठी, साबुन, चारपाई, अमिया-आम, गुलाबजामुन, शेर।

रंग भरो

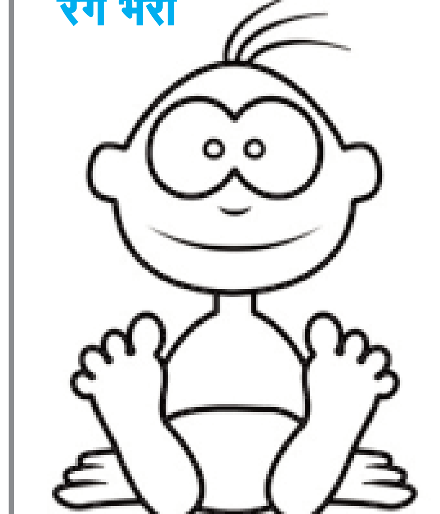

आप हैं कितने बुद्धिमान?

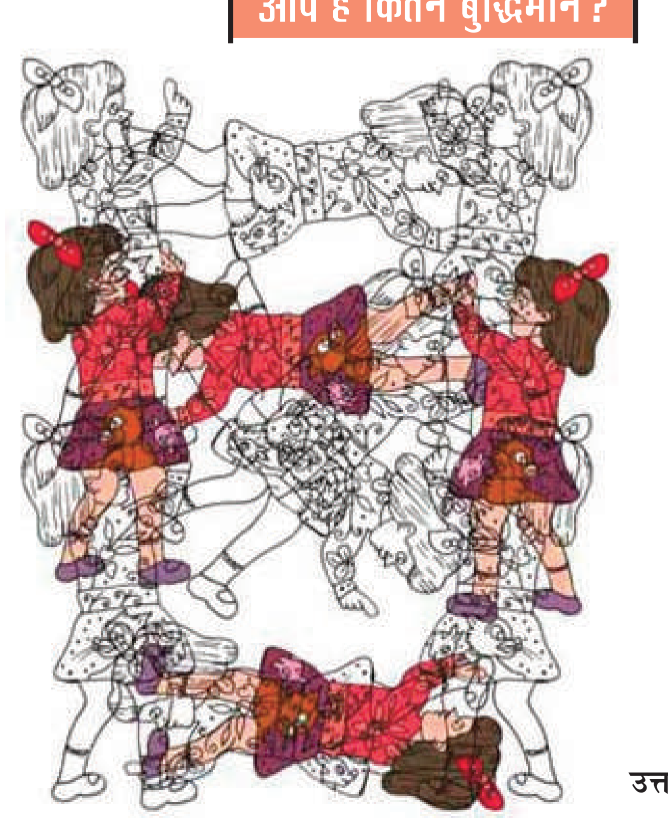

इस आकृति को देखकर बताएं कि कितनी लड़कियां रंग-बिरंगे कपड़ों में हैं और कितनी लड़कियां ब्लैक एण्ड व्हाइट कपड़ों में हैं। इन आकृतियों में रंग भरकर आप इसकी पूरी गणना भी कर सकते हैं।

उत्तर: 12

अंतर बताओ

कविता

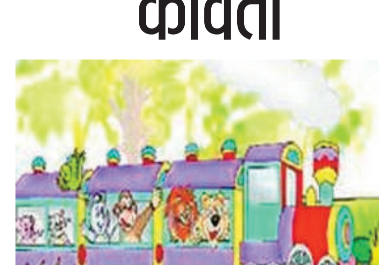

जंगल में जब रेल चली,
मच गई सब में खलबली।
शेर-शेरनी संग में आए,
बैठ रेल में वे इतराए।
आए तोता, बंदर, भालू,
संग थी मिस चीता झगड़ालू।
सुअर, बिल्ली, मैना आए,
बैठ रेल में गाना गाए।
घूम के मेंढक बेचे मूली,
बोझा ढो रहा गधा कूली।
गार्ड उल्लू ने झंडी लहराई,
ड्राइवर चींटी ने रेल चलाई।
छूटा हाथी, बोला रुक-रुक,
रेल चल दी लेकिन छुक-छुक।

क्या आप जानते हो

- च्यूइंगगम चबाते-चबाते प्याज काटने से आंख से आंसू नहीं आते। (हालांकि प्याज काटने से आंखों में आंसू बनने कीप्रक्रिया अवश्य होती है, किंतु जबड़ों के लगातार चलते रहने के कारण वे आंख से बाहर नहीं आ पाते हैं।)
- बिना खाना खाए एक महीने तक जिंदा रहा जा सकता है, जबकि बिना पानी पिए सिर्फ एक सप्ताह ही कोई व्यक्ति जीवित रह सकता है। शरीर में एक फीसदी पानी की कमी हो जाए, तो प्यास महसूस होने लगती है और 10 फीसदी पानी की कमी होने पर प्राण निकल जाते हैं।
- शहद एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो हजारों साल तक खराब नहीं होता। (मिस्त्र के फैरो की कब्रों में पाए गए शहद को पुरातत्वविदों ने जब चख कर देखा, तो पाया कि वह आज भी खाने योग्य है।)

साथ-साथ काम करना पसंद करते हैं तोते

पैरिस में हुए एक शोध के मुताबिक कुछ पक्षी अकेले काम करना पसंद करते हैं और कुछ समूह में। शोधकर्ताओं ने पक्षियों को कई काम दिए ताकि इन्हें देखकर यह समझा जा सके कि पक्षियों में एक-दूसरे के साथ सहयोग करने की समझ है या नहीं।

'ऐनिमल कॉग्निशन' नाम की पत्रिका में छपे इस शोध में पाया गया कि स्लेटी रंग के अफ्रीकी तोते किसी परेशानी का समाधान करने में अपने व्यक्तित्व के विशिष्ट पहलुओं को उभार पाते हैं। इसकी जांच करने के लिए शोधकर्ता ने जो तकनीक अपनाई, वो सबसे पहले समूह में काम करने में चिम्पान्जी की दक्षता जांचने के लिए इस्तेमाल की गई थी। अब इसी तरीके से हाथियों के एक दूसरे को सहयोग देने की क्षमता जांची जा रही है।

हाई स्पीड ट्रेन

दो सौ से भी ज्यादा वर्ष बीत चुके हैं जब स्टीम इंजन का आविष्कार हुआ। इसके आविष्कारक रिचर्ड ट्रेवेथिक ने शायद कल्पना भी नहीं की होगी कि ट्रेन भी कर सकती है कभी हवा से बातें। इतना ही नहीं, उन्हें दूर-दूर इसका ख्याल भी न आया होगा कि ट्रेन प्लेन की माफिक ट्रैक पर दौड़ सकती है!

दरअसल, जब स्टीम इंजन बने तो उस समय ट्रेन की स्पीड महज 8 किमी प्रति घंटा होती थी। धीरे-धीरे 25 किमी. की रफ्तार को भी तेज रफ्तार ट्रेन में शुमार किया जाने लगा।

आज जबकि 500 किलोमीटर से भी ज्यादा प्रति घंटे की तूफानी रफ्तार से जब ट्रेनें चलती हैं, तो कोई भी एकबारगी दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर हो सकता है। रोंगटे खड़े कर देने वाली ऐसी ट्रेन कहलाती हैं हाई स्पीड ट्रेन। ये बुलेट जैसी दिखती हैं, इसलिए इसे आम तौर पर बुलेट ट्रेन भी कहा जाता है। इनसे जब हजारों किलोमीटर की दूरी महज दो से तीन घंटों में नापी जाती है, तो ये ट्रेनें प्लेन होने का भ्रम पैदा करती हैं! एक नजर ऐसी तूफानी रफ्तार वाली ट्रेनों पर..

जापान की एमएलएक्स 01

हर बार एक नए रूप में आने के बाद इसकी वर्तमान स्पीड है 581 किमी. प्रति घंटा। यह ट्रेन मैग्नेटिक लेविटेशन सिस्टम पर चलती है यानी ट्रैक पर ट्रेन दौड़ती तो है, पर उसे छूती नहीं। इस ट्रेन को डेवलप किया है रेलवे टेक्निकल रिसर्च इंस्टीट्यूट जापान के साथ मिलकर जापान रेलवे कंपनी ने। इसका निर्माण कराया गया 1970 में ही, लेकिन एमएलएक्स 01 है इसका सबसे लेटेस्ट डिजाइन।

फ्रांस की टीजीवीवी150

जब यह ट्रेन बनाई गई यानी 1981 में, तो यह महज दो सौ किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ती थी। पर वर्ष 2007 तक आते-आते यह बन गई दुनिया की दूसरी सबसे तेज रफ्तार से दौड़ने वाली बुलेट ट्रेन। इसकी उच्च गुणवत्ता को देखकर ही टीजीवी हाईस्पीड टेक्नोलॉजी को दूसरे यूरोपीय देशों में भी अपनाया जाने लगा है। चाहे युनाइटेड्क्ष8200;किंगडम हो, नीदरलैंड या फिर जर्मनी..सबने इस खास टेक्नोलॉजी का लोहा माना।

फ्रांस की टीजीवी

यह टीजीवी 150 का शुरुआती मॉडल है। वर्ष 1981 में इस ट्रेन की रिकॉर्ड स्पीड थी 380 किमी. प्रतिघंटा। लेकिन वर्ष 2007 में यह रफ्तार 574.8 किमी. प्रतिघंटे की तूफानी रफ्तार वाली हो गई। इसके इंजन की शक्ति है तकरीबन 25,000 हॉर्सपॉवर। इस ट्रेन को उस वक्त ईजाद किया गया जब फ्रांस में पेट्रोल का जबरदस्त संकट आ गया था। यह समय था वर्ष 1973।

चीन की शंघाई मेग्लेव ट्रेन

चीन में दुनिया का सबसे लंबा हाई स्पीड रेल नेटवर्क है। संख्या में बात करें, तो यह है तकरीबन 6,000 मील। चीन में ईजाद की गई यह ट्रेन एक दिन में तकरीबन 3, 78,000 हजार पैसेंजर्स को कैरी करती है। इसकी रिकॉर्ड स्पीड है तकरीबन 501 किमी. प्रति घंटा।

जर्मनी की टीआर 07

आमतौर पर तेज रफ्तार वाली बुलेट ट्रेन की आवाज काफी डरावनी होती है, लेकिन जर्मन टीआर 07 को कुछ इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह जब चलती है, तो डरावनी आवाज काफी हद तक दूसरे ट्रेनों से अपेक्षाकृत ज्यादा नियंत्रित रहती है। इस ट्रेन की स्पीड है 434.9 किमी. प्रतिघंटा। टीआर 07 भी मैग्नेटिक लेविटेशन टेक्नोलॉजी पर चलती है। गौरतलब है कि जर्मनी, जापान और चीन के बाद हाई स्पीड रेल टेक्नोलॉजी में अग्रणी है। इसे दुनिया का सबसे बडा हाई स्पीड ट्रेन का निर्माता देश भी माना जाता है।

जापान की शिनकांसेन

हाई स्पीड ट्रेन के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश है जापान। जब इस देश ने शिनकांसेन का आविष्कार किया, तो यह था हाई स्पीड ट्रेन की दुनिया में मील का पत्थर। बुलेट ट्रेन की अवधारणा भी इसी के साथ सामने आई। जब यह रेल सेवा शुरू की गई थी, तो इसकी स्पीड थी 210 किलोमीटर प्रति घंटा। आज यह 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रैक पर दौड़ती है।

एशियन गेम्स 2026 : 310 नए चेहरे देंगे चुनौती, 17 खिलाड़ी और पांच टीमें फिर स्वर्ण पर साधेंगी निशाना

नई दिल्ली

एशियन गेम्स में इस बार भारतीय चुनौती नए और युवा चेहरों पर है। भारतीय दल में 310 ऐसे नए खिलाड़ी हैं जो पहली बार एशियाई खेलों में भाग लेने जा रहे हैं, लेकिन निगाहें पुराने चेहरों पर रहेंगी। भारतीय दल में 17 खिलाड़ी और पांच टीमें ऐसी हैं जो एशियाई खेलों में अपने पिछले स्वर्णिम प्रदर्शन की छाप जापान में फिर से छोड़ने के लिए उतर रहे हैं।

501 भारतीय खिलाड़ी जापान में उतरेंगे।36 खेलों के 259 इवेंट में भारत करेगा शिरकत। 356 पदकों की इवेंट में भारत पेश करेगा चुनौती। 310 खिलाड़ी पहली बार एशियाड में 36 खेलों में उतरेंगे।

मनु भाकर के साथ भारतीय दल के ध्वजवाहक बने शाटपुटर तजिंदर पाल सिंह तूर लगातार तीसरे एशियाड स्वर्ण के लिए जोर लगाएंगे। वहीं, पिछले एशियाड की तीन स्वर्ण विजेता कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा स्वर्णिम प्रदर्शन दोहराने व लगातार चौथे एशियाड में पदक जीतने उतरेंगी। 2014 और 2018 के एशियाड में चार गुणा 400 मीटर रिले और 400 मीटर में स्वर्ण जीत चुकीं एथलीट एमआर पूवम्मा से इस बार भी रिले में देश के लिए स्वर्णिम पदक की आशा है।

एथलेटिक्स-शूटिंग से उम्मीद – भारत ने पिछले एशियाड में 28 स्वर्ण समेत कुल 106 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया था। इस प्रदर्शन में शूटिंग और एथलेटिक्स ने अहम भूमिका निभाई थी।

एथलेटिक्स में छह स्वर्ण समेत 29 पदक और शूटिंग में सात स्वर्ण समेत 22 पदक मिले थे। इस बार भी भारतीय दल की 100 से अधिक पदक जीतने की कोशिश है, जिसमें इन दोनों खेलों का अहम योगदान रहेगा।

तूर पर तीसरे स्वर्ण का मौका – घुड़सवार हृदय छेड़ा, स्क्वैश खिलाड़ी अभय सिंह ने हांगझोउ एशियाड में टीम स्वर्ण जीते। हृदय इस बार ड्रेसाज व अभय स्क्वैश की टीम व निजी स्पर्धा में भाग लेंगे। तूर 2018 और 2023 में स्वर्ण जीत चुके हैं। सत्र में 21.03 मीचर गोला फेंक चुके तूर यह प्रदर्शन दोहराते हैं तो तीसरा स्वर्ण जीत सकते हैं। पिछली बार 5000 मीटर का स्वर्ण व 3000 मीटर स्टीपलचेज का रजत जीतने वालीं पारुल इस बार इनके अलावा 1500 मीटर में भी उतरेंगी।

ऐश्वर्य, ईशा पर बड़ा जिम्मा – 2023 में दो स्वर्ण समेत चार पदक जीतने वाले शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर 50 मीटर श्री पोजीशन में, जबकि एक स्वर्ण व तीन रजत जीतने वाली ईशा सिंह 10 मीटर एयर पिस्टल, 25 मीटर पिस्टल में शिरकत करेंगी।

न्यूज ब्रीफ

कोलंबिया ने मैक्सिको, पराग्वे और पेरु के खिलाफ होने वाले मैत्री फुटबाल मैचों के लिए नये खिलाड़ियों को शामिल किया

कोलंबिया। कोलंबिया ने इस माह के अंत में मैक्सिको, पराग्वे और पेरु के खिलाफ अमेरिका में होने वाले मैत्री फुटबाल मैचों के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में एक बड़ा बदलाव करते हुए सभी नये खिलाड़ियों को शामिल है। लिवरपूल के स्टार विंगर लुइस डियाज को भी टीम में जगह नहीं दी है। टीम में 11 ऐसे खिलाड़ियों को अवसर मिला है जिन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेले हैं। टीम में पूर्व कप्तान जेम्स रोड्रिगेज तक को जगह नहीं मिली है। रोड्रिगेज ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास ले लिया था। नए खिलाड़ियों में बर्मिंघम सिटी के मिडफील्डर जान सोलिस और जेनिट सेंट पीटर्सबर्ग के डिफेंडर केविन एंड्रेड शामिल हैं। इनके अलावा, गोलकीपर एल्डेयर क्विंटाना, डिफेंडर रोजर कैसेडो, मिडफील्डर डेनियल आर्किला और फारवर्ड कैमिलो डुरान को भी टीम में जगह मिली है। मैनेजर नेस्टर लोरेंजो ने स्थानीय क्लब एटलेटिको नेशनल से लेफ्ट-बैक सैमुअल वेलास्केज और मिडफील्डर जुआन मैनुअल रेंगिफो को भी टीम में शमिल किया है। बोगोटा में टीम घोषणा के दौरान मैनेजर नेस्टर लोरेंजो ने अपनी चयन नीति को लेकर कहा, कोई भी खिलाड़ी हमेशा टीम में नहीं रहता और न ही हमेशा बाहर रहता है। चाहे वे युवा हों या अनुभवी, इस प्रक्रिया का हिस्सा रहे सभी लोग जानते हैं कि उन्हें अपनी जगह बनाने के लिए मुकाबला करना होगा, और कोई भी टीम में आ सकता है या बाहर हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लुइस डियाज के मामले में, आपसी सहमति से उन्हें इस समय आराम देने का निर्णय लिया गया है।

दक्षिण अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए एनगिडी की जगह नाकोबानी को शामिल किया

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम ने 24 सितंबर से आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन

मैचों की तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की जगह पर नाकोबानी मोकोएना को शामिल किया है। वहीं इससे पहले एनगिडी चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये। ऐसे में खिलाड़ियों की खराब फिटने से परेशान दक्षिण अफ्रीकी टीम की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं। एनगिडी को यह चोट पिछले सप्ताह टाइटन्स और डाल्फ़िन्सि के बीच खेले गए घरेलू प्रथम श्रेणी मैच के दौरान लगी थी। तब उनकी दाहिनी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया, जिसकी पुष्टि गत दिवस हुए स्कैन से हुई। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें पूरी तरह से ठीक होने के लिए पर्याप्त समय की आवश्यकता होगी, जिसके चलते वह आस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से बाहर हो गये हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में एक समय छाये रहे थे 235 किलो के रेसलर आंद्रे जायंट

सेन डियागो। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) की दुनिया अपने विशालकाय रेसलर्स और अतरंगी कहानियों के लिए जानी जाती है। डब्ल्यूडब्ल्यूई हमेशा से अपने प्रशंसकों के लिए कुछ न कुछ नया पेश करता रहा है, इसमें अजीब किरदार वाले रेसलर भी आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूई के एक ऐसे ही एक अकल्पनीय रेसलर थे आंद्रे द जायंट, जो करीब 7 फीट से अधिक लंबे और लगभग 235 किलो वजनी थे। जब रिंग में उतरते थे, तो सामान्य कद-काठी के रेसलर उनके सामने बच्चे प्रतीत होते थे। उनका जीवन कई अविश्वसनीय किस्सों से भरा है। वह अपने करियर में शुरुआत 15 साल में कभी कोई मुकाबला नहीं हारे। आंद्रे का जन्म फ्रांस के ग्रेनोबल में आंद्रे रेने रुसिमाफ के नाम से हुआ था। उनके परिवार के अन्य सदस्य सामान्य थे, लेकिन आंद्रे का शरीर बचपन से ही असामान्य रूप से बढ़ता चला गया। उनकी इस असाधारण लंबाई और भारी-भरकम शरीर का कारण एक्रोमेगाली नामक एक दुर्लभ बीमारी थी, जिसमें शरीर का विकास हार्मोन अत्यधिक मात्रा में उत्पन्न होता है। बड़े होने पर उनका कद 7 फीट 4 इंच और वजन 235 किलो तक पहुंच गया, जिसके चलते उन्हें बचपन से ही सामान्य जीवन जीने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। ऐसे में डब्ल्यूडब्ल्यूई ने आंद्रे को एक नई पहचान दी। इसमें बड़ी कद काठी वाले रेसलरों की खूब मांग थी, और कंपनी के मालिक विंस मैकमोहन ने आंद्रे की क्षमता को पहचाना।

डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन में खलिन एच. जोशी बने विजेता, उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

गोल्फ के ग्लोबल मैप पर उभर रहा नवा रायपुर, विश्वस्तरीय सुविधाएं बन रहीं पहचान : अरुण साव

रायपुर

खलिन जोशी ने बोगी-मुक्त तीन-अंडर 31 का स्कोर बनाकर छत्तीसगढ़ के नया रायपुर स्थित फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिजार्ट में एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाला पहला एसईसीएल प्रेजेंट्स नवा रायपुर ओपन 2026 एक शाट के अंतर से जीत लिया। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किया और सभी प्रतिभागियों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

एक शाट की बढ़त के साथ अंतिम राउंड में उतरे बेंगलुरु के 34 वर्षीय जोशी (29-30-33-31) ने नौ होल के अपने राउंड में तीसरे से पांचवें होल तक लगातार तीन बर्डी लगाईं। उन्होंने 13-अंडर 123 के कुल स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया । अप्रैल में आंध्र ओपन और अगस्त में जम्मू-कश्मीर ओपन जीतने वाले जोशी का यह सत्र का तीसरा और डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई पर कुल नौवाँ खिताब रहा।

डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन गोल्फ टूर्नामेंट-2026 के पुरस्कार वितरण समारोह में उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने कहा कि नवा रायपुर का वर्ल्ड क्लास फेयरवे गोल्फ एंड कंट्री क्लब छत्तीसगढ़ में गोल्फ के बढ़ते आकर्षण और विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं की पहचान बन रहा है। श्री साव ने प्रतियोगिता के विजेता खलिन एच. जोशी सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए और सभी प्रतिभागियों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि प्रदेश में इस तरह के बड़े और अंतरराष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों का आयोजन यहां की खेल संभावनाओं को नई दिशा देता है। ऐसे आयोजन छत्तीसगढ़ की गोल्फ प्रतिभाओं के लिए बड़े मंच का काम करते हैं। देश-दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों की मौजूदगी में होने वाली प्रतियोगिताओं से स्थानीय खिलाड़ियों को उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलता है और उन्हें अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाने की प्रेरणा मिलती है। श्री साव ने डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन के सफल आयोजन के लिए पीजीटीआई अध्यक्ष श्री कपिल देव और उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख खेल आयोजनों के मानचित्र पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छत्तीसगढ़ में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर मंच देने के ऐसे प्रयास लगातार जारी रहेंगे। प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना का विस्तार कर खिलाड़ियों के लिए ऐसे अवसर तैयार किए जाएंगे, जहां वे अपनी प्रतिभा को निखारकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर सकें।

चौहान, कुकर और पटेल संयुक्त उपविजेता

महू के ओम प्रकाश चौहान ने अंतिम दौर में पांच-अंडर 29 का स्कोर किया। उनके दौर में पार-5 चौथे होल पर ईगल के साथ तीन बर्डी शामिल थीं। चौहान कुल 12-अंडर 124 के स्कोर के साथ संयुक्त उपविजेता रहे। पंचकुला के रौनिल कुकर और अहमदाबाद के अंशुल पटेल भी 12-अंडर 124 के स्कोर के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे। तीनों खिलाड़ियों को 6,99,867 रुपये की पुरस्कार राशि मिली। चौहान ने रेस टू डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में अपना आठवां स्थान मजबूत किया। कुकर 8,93,660 रुपये की कमाई के साथ आर्डर आफ मेरिट में 102वें से 54वें स्थान पर पहुंचे, जबकि पटेल 10,24,442 रुपये की कमाई के साथ 84वें से 47वें स्थान पर पहुंच गए। दोनों ने शीर्ष 60 में जगह बनाकर अगले सत्र के लिए अपना खेलने का अधिकार सुरक्षित कर लिया। कोलकाता के दिव्यांशु बजाज, दिल्ली के प्रितिश सिंह करायत और चंडीगढ़ के अंगद चीमा 11-अंडर 125 के स्कोर के साथ संयुक्त पांचवें स्थान पर रहे।

आत्मविश्वास को बताया सफलता की वजह

मौजूदा सत्र में अपनी तीन जीत के बारे में जोशी ने कहा कि उनके खेल में आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वह वर्तमान पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने कहा कि पेशेवर गोल्फ में 14 सत्र पूरे करने के दौरान उनकी मानसिकता में बड़ा बदलाव नहीं आया है, लेकिन अब वह अधिक आत्मविश्वासी खिलाड़ी बन गए हैं। जोशी अब अपने बचपन के घरेलू कोर्स कर्नाटक गोल्फ एसोसिएशन में अगला टूर्नामेंट खेलेंगे। उन्होंने बताया कि वह सात सप्ताह से घर नहीं गए हैं और बेंगलुरु लौटने को लेकर उत्साहित हैं। वह चार वर्ष की उम्र से केजीए से जुड़े हैं। अगले सप्ताह उनकी गर्लफ्रेंड उनकी कैडी की भूमिका निभाएंगी। नवा रायपुर ओपन की जीत से जोशी की दिल्ली गोल्फ क्लब में होने वाली डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप से पहले स्थिति मजबूत हुई है।

श्रीकांत बोले, वैभव बनेगा क्रिकेट का अगला स्टार, तीनों ही प्रारुपों में छाने का है दम

चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णम्माचारी श्रीकांत ने 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह विश्व क्रिकेट का अगला बड़ा स्टार बनेगा। श्रीकांत के अनुसार वैभव में तीनों प्रारुपों में शानदार प्रदर्शन करने का दम है और वे आगे चलकर इस खेल पर राज करेंगे।

महज 15 साल की उम्र में, सूर्यवंशी ने अपने असाधारण कौशल और रिकार्ड-तोड़ प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है। श्रीकांत ने सूर्यवंशी के अब तक के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि अगर उन्हें सही तरीके से तैयार किया जाए तो वह विश्व क्रिकेट के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी बन सकते हैं। उन्होंने युवा प्रतिभा को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, वह बहुत शानदार खेल रहा है। उसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए, कभी भी हतोत्साहित नहीं करना चाहिए।

अगर उसे सही ढंग से तैयार किया जाए, तो वह भविष्य का सुपरस्टार बनेगा। वह टेस्ट क्रिकेट को उसका खोया हुआ गौरव वापस दिलाएगा। उसी की वजह से सबने दिलीप ट्राफी देखी। आगे चलकर वह वर्ल्ड क्रिकेट के लिए एक बहुत बड़ी संपत्ति साबित होगा।

श्रीकांत ने विश्वास व्यक्त किया कि सूर्यवंशी उच्चतम स्तर पर भी सफल होंगे। उन्होंने कहा कि इस युवा खिलाड़ी में खेल के सभी प्रारूपों में बेहतरीन प्रदर्शन करने की काबिलियत है और उन्होंने विशेष रूप से लाल-गेंद क्रिकेट में गेंदबाजों के खिलाफ उनके निडर स्ट्रोक-प्ले की सराहना की।

श्रीकांत का यह समर्थन निश्चित रूप से वैभव सूर्यवंशी के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन होगा, क्योंकि क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसक इस युवा प्रतिभा के भविष्य पर करीब से नज़र रख रहे हैं। हाल ही में, वैभव सूर्यवंशी ने दिलीप ट्राफी के इतिहास में एक नया अध्याय लिखा। उन्होंने 15 साल और 157 दिन की उम्र में टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का रिकार्ड बनाया, जिसने 57 साल पुराने एक प्रतिष्ठित रिकार्ड को तोड़ दिया। यह उपलब्धि उनकी प्रतिभा और परिपक्वता का प्रमाण है, जो इतनी कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ रहे हैं।

एशियन गेम्स में बड़ी चूक

आइची । जापान में चल रहे एशियन गेम्स 2026 में आयोजकों से बड़ी चूक हो गई। पुरुष हाकी के दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश के मैच से पहले दक्षिण कोरिया की जगह उत्तर कोरिया का राष्ट्रगान बजा दिया गया। यह घटना गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में हुई, जो नागोया से करीब 30 किलोमीटर दूर है। राष्ट्रगान बजते ही दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी हैरान नजर आए। कुछ खिलाड़ियों ने अपने सिर पर हाथ रखकर प्रतिक्रिया दी। बाद में आयोजकों ने गलती को सुधारा और बांग्लादेश के राष्ट्रगान के बाद दक्षिण कोरिया का सही राष्ट्रगान बजाया। दक्षिण कोरिया ने दर्ज कराई शिकायत इस गलती के बाद मैच में भी देरी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रगान पूरा होने से पहले ही रेफरी ने खिलाड़ियों को हाथ मिलाने और मैच के लिए तैयार होने का निर्देश दे दिया था। दक्षिण कोरिया की कोरियन स्पोर्ट्स एंड ओलंपिक कमेटी ने इस मामले में आयोजन समिति के सामने आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। समिति ने आयोजकों से आधिकारिक माफी मांगने और ऐसी गलती दोबारा नहीं होने की मांग की।

एशियाई खेलों को कवर करेंगे स्नैप्स इंडिया के संपादक शम्सुद्दीन

हैदराबाद ।

स्नैप्स इंडिया के संपादक एवं फोटो पत्रकार मोहम्मद शम्सुद्दीन जापान में आयोजित होने वाले 20वें एशियाई खेल, आइची-नागोया 2026 को कवर करेंगे। एशियाई खेलों का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक होगा। शम्सुद्दीन को खेलों के लिए उनके मान्यता पत्र की आधिकारिक पुष्टि प्राप्त हो गई है।

18 सितंबर 2026 को आइची-नागोया एशियाई खेल एवं एशियाई पैरा खेल आयोजन समिति की ओर से जारी पत्र में जापान पहुंचने पर उन्हें मान्यता कार्ड प्रदान किए जाने की पुष्टि की गई है।

शम्सुद्दीन खेल प्रतियोगिताओं, खिलाड़ियों तथा एशियाई खेलों के व्यापक वातावरण की तस्वीरें और समाचार कवरेज करेंगे। वे इससे पहले फीफा विश्व कप कतर 2022 सहित कई अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों को कवर कर चुके हैं। फीफा विश्व कप कतर 2022 की उनकी फोटोग्राफी को रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी से मान्यता मिली और उन्हें एसोसिएट ऑफ द रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी की उपाधि प्रदान की गई।

यह सम्मान 19 सितंबर 2025 को लंदन में प्रदान किया गया था।

इस अवसर पर तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष श्री श्रीनिवास रेड्डी ने मोहम्मद शम्सुद्दीन से मुलाकात कर उन्हें 20वें एशियाई खेलों की अंतरराष्ट्रीय खेल पत्रकारिता जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी।

उन्होंने जापान में होने वाले एशियाई खेलों के सफल कवरेज के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलना चाहते हैं हारिस राउफ

लाहौर

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने कहा है कि वह अवसर मिलने पर श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में खेलने के लिए तैयार हैं। रऊफ के इस बयान से सभी हैरान हैं क्योंकि एक समय उन्होंने टेस्ट प्रारुप खेलने से इंकार तक कर दिया था। वहीं अब वह इस प्रारुप में वापसी करना चाहते हैं।

इसका कारण राष्ट्रीय टीम में सीमित ओवरों के क्रिकेट में घटते अवसरों और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की नई कठोर नीति को माना जा रहा है। इससे ये गेंदबाज अब लंबे प्रारुप में भी खेलने को तैयार है। इस कारण अब वह घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट भी खेल रहे हैं। उनका पहला लक्ष्य नवंबर में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम में जगह बनाना है।

बोले, लंबे प्रारूप को लेकर बदल गया है नजरिया

अभी रऊफ पाकिस्तान में खेली जा रही प्रेसिडेंट्स ट्राफी में पाकिस्तान टेलीविजन की ओर से सक्रिय हैं। इस टूर्नामेंट में हाल ही में उन्होंने आयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए पांच महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किए। भले ही वह मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ पर रऊफ का यह प्रभावशाली स्पैल चयनकर्ताओं की नजरों में आने के लिए काफी अहम माना जा रहा है। मौजूदा जानकारी के अनुसार, रऊफ का स्पष्ट इरादा है कि प्रेसिडेंट्स ट्राफी में उनका प्रदर्शन चयनकर्ताओं का ध्यान खींचे।

यह बदलाव कई मायनों में आश्चर्यजनक है, क्योंकि कुछ साल पहले तक रऊफ का टेस्ट क्रिकेट को लेकर बिल्कुल अलग रुख था। पाकिस्तान में लगातार मांग उठने के बावजूद कि वह लंबे प्रारूप में देश का प्रतिनिधित्व करें, वे इस चुनौती को स्वीकार करने के लिए उत्सुक नहीं दिखे। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई साल बिताने के बावजूद, उन्होंने अब तक सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला है, जो लगभग चार साल पहले हुआ था। हाल के महीनों में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ उनके संबंध भी बहुत सहज नहीं रहे हैं, और वह मुख्य रूप से एकदिवसीय क्रिकेट तक ही सीमित रहे हैं, उनका आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच लगभग एक साल पहले भारत के खिलाफ एशिया कप फाइनल में था।

अब रऊफ ने खुद यह बात स्वीकार की है कि उन्होंने लंबे प्रारूप को लेकर अपना नजरिया बदला है। उनका मानना है कि पाकिस्तान को तेज गेंदबाजों की सख्त जरूरत है और प्रेसिडेंट्स ट्राफी में उनके पास अभी खुद को साबित करने के लिए कई मुकाबले बाकी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने पिछले सीजन में चार दिवसीय क्रिकेट खेली थी और आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से पहले भी दूसरे स्तर की घरेलू क्रिकेट में समय बिताया था, जिसे वे खुद को एक बेहतर गेंदबाज बनाने का अच्छा तरीका मानते हैं। रऊफ के इस बदलाव में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की हालिया सख्ती का भी महत्वपूर्ण योगदान है। बोर्ड ने राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने वाले खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेना अनिवार्य कर दिया है, ऐसा न करने पर खिलाड़ियों को अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। इसी नीति के बीच, कई प्रमुख पाकिस्तानी खिलाड़ियों का घरेलू क्रिकेट की ओर लौटना देखा गया है, जिसमें तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में लाल गेंद के खेल को प्राथमिकता देने की बात कही है। हालांकि, हारिस रऊफ के लिए श्रीलंका सीरीज में जगह बनाना आसान नहीं होगा। उन्हें प्रेसिडेंट्स ट्राफी के शेष मुकाबलों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा, अपनी फिटनेस और लंबे प्रारूप की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता साबित करनी होगी।

शिल्परामम में पूमपुहार मेगा हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपो का भव्य शुभारंभ

तमिलनाडु के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री पी. मधन राजा ने किया उद्घाटन

हैदराबाद, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तमिलनाडु हैंडीक्राफ्ट्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पूमपुहार ब्रांड नाम के तहत आयोजित मेगा हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपो की शुरुआत शनिवार को शिल्परामम में हुई।

तमिलनाडु के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री पी. मधन राजा ने इस एक्सपो का उद्घाटन किया।

इस मौके पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में तमिलनाडु के विभिन्न जिलों के कुशल कारीगरों द्वारा बनाए गए बेहतरीन हस्तशिल्प उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य जनता को तमिलनाडु की समृद्ध और विविध पारंपरिक हस्तशिल्प विरासत से परिचित कराना है।

यह एक्सपो तमिलनाडु सरकार के संगठन, तमिलनाडु हैंडीक्राफ्ट्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पूमपुहार) के तत्वावधान में 19 से 23 सितंबर तक शिल्परामम में आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में तमिलनाडु हैंडीक्राफ्ट्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड की प्रबंध निदेशक एस. अमृता ज्योति और पूमपुहार के सहायक प्रबंधक (बिक्री) सी. गोपीकन्नन शामिल हुए।

प्रदर्शनी में कई तरह के पारंपरिक हस्तशिल्प शामिल हैं, जिनमें कांसे की मूर्तियां, पारंपरिक पीतल के लैंप, तंजावुर पेंटिंग, तंजावुर आर्ट प्लेट्स, पेपर-मैशे की गुड़िया, लकड़ी और पत्थर की मूर्तियां, पीतल की कलाकृतियां, मिट्टी और टेराकोटा के उत्पाद, बेंत का फर्नीचर, केले के रेशे से बने उत्पाद, जूट के उत्पाद, ताड़ के पत्तों से बने उत्पाद, फैशन ज्वैलरी, अगरबत्ती, मसाले, हाथ से बने कपड़े और हथकरघा उत्पाद शामिल हैं।

हनुमानगढ़ में धारव हाई स्कूल का अभिभावक सूचना सत्र आयोजित

हनुमानगढ़, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। धारव हाई स्कूल, जयपुर की ओर से शनिवार को होटल बैंड इन, हनुमानगढ़ में भावी अभिभावकों के लिए विशेष अभिभावक सूचना सत्र आयोजित किया गया। विद्यालय की नेतृत्व एवं प्रवेश टीम ने परिवारों से संवाद कर धारव के शैक्षणिक दर्शन, वीकली बोर्डिंग, कौशल आधारित शिक्षा, एसटीईएम कार्यक्रमों तथा कक्षा से बाहर सीखने और विद्यार्थियों के विकास के अवसरों की जानकारी दी।

सत्र में एसटीईएम कार्यक्रमों और अटल टिंकरिंग लैब के माध्यम से कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया। अटल टिंकरिंग लैब में विद्यार्थियों को विभिन्न उपकरणों और तकनीकों के साथ व्यावहारिक अनुभव मिलता है। विद्यार्थी रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, कोडिंग, 3डी डिजाइन और प्रोटोटाइपिंग जैसे क्षेत्रों में कार्य कर वास्तविक जीवन की चुनौतियों के समाधान तलाशते हैं।

अभिभावकों को विद्यालय के वीकली बोर्डिंग मॉडल की जानकारी देते हुए बताया गया कि यह शिक्षा, मनोरंजन, फिटनेस, खेल, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास के बीच संतुलन पर केंद्रित है।

धारव हाई स्कूल की चेयरपर्सन देवयानी जयपुरिया ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को वर्तमान अवसरों के साथ-साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयार करना है। डायरेक्टर डॉ. अदिति मिश्र ने कहा कि वीकली बोर्डिंग मॉडल विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता विकसित करने के साथ उन्हें परिवार से जुड़े रहने का संतुलन प्रदान करता है।

उल्लेखनीय है कि धारव हाई स्कूल के जयपुर में विद्याधर नगर और अजमेर रोड तथा गुरुग्राम में एक-एक कैंपस हैं। विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को ज्ञान, चरित्र और आत्मविश्वास से सशक्त बनाकर बदलती वैश्विक दुनिया के लिए तैयार करना है।

जीएनआईटीसी में दीक्षांत एवं प्लेसमेंट दिवस समारोह संपन्न

हैदराबाद, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरु नानक इंस्टीट्यूशंस टेक्निकल कैंपस (जीएनआईटीसी) में शनिवार को दीक्षांत एवं प्लेसमेंट दिवस समारोह आयोजित किया गया। समारोह में 1,172 स्नातक विद्यार्थियों को डिग्री प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। विभिन्न यूजी एवं पीजी पाठ्यक्रमों में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कुल 26 स्वर्ण एवं रजत पदक प्रदान किए गए।

संस्थान के अनुसार, 169 से अधिक बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्लेसमेंट कार्यक्रमों के माध्यम से 946 विद्यार्थियों का चयन हुआ, जिनमें उच्चतम पैकेज 40 लाख रुपये तक रहा। चयनित विद्यार्थियों को नियुक्ति-पत्र एवं प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

गुरु नानक इंस्टीट्यूशंस के वाइस चेयरमैन एवं गुरु नानक यूनिवर्सिटी के चांसलर सरदार गगनदीप सिंह कोहली ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्हें संस्थान के मूल्यों एवं प्रतिष्ठा को बनाए रखने का आह्वान किया।

समारोह में निदेशक डॉ. एस. श्रीनाथ रेड्डी सहित विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, अधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्रद्धा और हर्षोल्लास से मनाई दधीचि जयंती

मंचेरियाल, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दधीचि समाज मंचेरियाल की ओर से स्थानीय श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में महर्षि दधीचि जयंती श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। समाज के सदस्यों ने महर्षि दधीचि के मानवता के कल्याण एवं राष्ट्र रक्षा के लिए किए गए महान त्याग को याद किया।

समारोह के दौरान महर्षि दधीचि के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर पूजा-अर्चना एवं आरती की गई। उमेश महाराज के सान्निध्य में विधि-विधान से विशेष पूजा तथा महाआरती संपन्न हुई। इस अवसर पर मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष श्याम सुंदर बलदवा, सचिव प्रेम राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ओम तिवारी, दाहिमा समाज के अध्यक्ष हरि प्रसाद दाहिमा, पवन तिवारी, माहेश्वरी समाज के गोविंद मनियार, राधेश्याम लड्डा सहित अग्रवाल एवं खंडेलवाल समाज के प्रबुद्धजन और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

समाज के प्रमुख ओम तिवारी ने महर्षि दधीचि के जीवन और उनके महान त्याग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने धर्म की रक्षा और असुरों के संहार के लिए अपनी अस्थियों का दान किया था। उनके त्याग से निर्मित वज्र से देवराज इंद्र ने वृत्रासुर का वध किया। महर्षि दधीचि का जीवन समाज और देशहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है।

पूजा एवं महाआरती के बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में दाहिमा समाज के महिला-पुरुषों एवं युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। महिलाओं ने भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

सरिता दीक्षित हिंदी हितैषी सम्मान से सम्मानित

हैदराबाद, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में बुलंदी साहित्यिक सेवा समिति की ओर से साहित्यकार सरिता दीक्षित को हिंदी के प्रति प्रेम, समर्पण एवं हिंदी के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान के लिए हिंदी हितैषी सम्मान से अलंकृत किया गया। सरिता दीक्षित बिरला ओपन माइंड्स स्कूल, हैदराबाद में कार्यरत हैं और साहित्य लेखन में भी सक्रिय हैं। सम्मान समिति के संस्थापक एवं अंतरराष्ट्रीय कवि बादल बाजपुरी तथा संरक्षक एवं अंतरराष्ट्रीय कवि पंकज शर्मा ने प्रदान किया।

तेलुगु भाषा दिनोत्सव सीजन-5 का भव्य आयोजन

सऊदी अरब में तेलुगु भाषा, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का संदेश

रियाद (सऊदी अरब), 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सऊदी अरब तेलुगु एसोसिएशन (साटा) की ओर से रियाद में तेलुगु भाषा दिनोत्सव सीजन-5 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सऊदी अरब के विभिन्न क्षेत्रों से तेलुगु परिवारों, संघों के प्रतिनिधियों एवं सांस्कृतिक समूहों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय दूतावास, सऊदी अरब के द्वितीय सचिव (कांसुलर) प्रवीण कुमार रहे। उन्होंने तेलुगु समुदाय द्वारा भाषा, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के प्रयासों की सराहना की तथा समुदाय से एकजुट रहकर समाज को गौरवान्वित करने का आह्वान किया। उन्होंने क्रिकेट टूर्नामेंट के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए।साटा के संस्थापक मल्लेशान ने विदेश में रहते हुए तेलुगु भाषा एवं संस्कृति को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी बताया। रियाद अध्यक्ष श्रीनिवास माचा ने कहा कि यह आयोजन तेलुगु लोगों की एकता को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने तेलुगु भाषा के विद्वान एवं भाषा सुधारक गिडुगु वेंकट राममूर्ति के योगदान को याद किया। साटा महिला अध्यक्ष शर्वणी विद्याधारिणी, जेद्दाह अध्यक्ष अंजद सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में संगीत, नृत्य एवं विभिन्न कलात्मक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। पारंपरिक तेलुगु शैली के रात्रिभोज का भी आयोजन किया गया। सटा की कोर टीम ने आयोजन को सफल बनाने वाले स्वयंसेवकों, सांस्कृतिक दलों, प्रायोजकों एवं तेलुगु परिवारों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

एबीवीपी...

यश डबास के साथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पैनल से सचिव पद पर रिया छाबड़ी और संयुक्त सचिव पद पर लक्ष्य राज सिंह ने भी जीत दर्ज की। इस तरह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने केंद्रीय पैनल के चार में से तीन पदों पर जीत हासिल की।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज करने वाले यश डबास ने बातचीत करते हुए कहा कि हमारे लिए सबसे पहला और विशेष मुद्दा रहने वाला है कि हर एक स्नातकोत्तर छात्रावास और छात्रावास का सुरक्षा परीक्षण कराया जाए, क्योंकि हम नहीं चाहते कि आने वाले भविष्य में सत्य निकेतन जैसी दुर्घटना किसी के भी साथ हो।

कितने मतों से जीते यश डबास?

अध्यक्ष पद पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के यश डबास ने 24,576 मतों से जीत हासिल की। वहीं, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन को 22,523 मत, वामपंथी समूह को 5,377 मत और आप समर्थित छात्र संगठन को केवल 1,388 मत मिले।

उपाध्यक्ष पद पर दीपांशु शौकीन का दबदबा

उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन ने जीत दर्ज की। उन्हें 30,615 मत मिले। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को 16,910 मत, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन को 4,313 मत और वामपंथी समूह को केवल 2,383 मत मिले।

सचिव पद पर रिया छाबड़ी विजयी

सचिव पद पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जीत हासिल की। उसकी उम्मीदवार रिया छाबड़ी को 21,650 मत मिले, जबकि भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन को 14,869 मत मिले। वामपंथी समूह को 8,734 मत मिले। वहीं, आप समर्थित छात्र संगठन को केवल 7,639 मत ही मिले।

संयुक्त सचिव पद पर लक्ष्य राज सिंह की जीत

संयुक्त सचिव पद पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के लक्ष्य राज सिंह ने 16,615 मतों के साथ जीत हासिल की। समाजवादी छात्र सभा को 15,778 मत मिले। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के खाते में 15,206 मत आए और वामपंथी समूह को 5,837 मत मिले।

उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय उम्मीदवार की जीत

उपाध्यक्ष पद का नतीजा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन से अलग रहा। इस पद पर निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन ने जीत हासिल की। मतगणना के दौरान शौकीन लगातार मजबूत बढ़त बनाए हुए थे और आखिरकार उन्होंने उपाध्यक्ष पद अपने नाम कर लिया।

चारों प्रमुख पदों की तस्वीर

अध्यक्ष : यश डबास (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद)

उपाध्यक्ष : दीपांशु शौकीन (निर्दलीय)

सचिव : रिया छाबड़ी (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद)संयुक्त सचिव : लक्ष्य राज सिंह (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद)

कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई मतगणना

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव की मतगणना शनिवार सुबह 8 बजे शुरू हुई थी। मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली विश्वविद्यालय में 2,000 से ज्यादा पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों की तैनाती की गई थी। मतगणना केंद्र के आसपास सुरक्षा बढ़ाने के साथ प्रमुख सड़कों पर भी प्रतिबंध लगाए गए थे।

चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए दिल्ली पुलिस और विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। अलग-अलग स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई थी और वैध पहचान-पत्र के बिना छात्रों को महाविद्यालय परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं थी।

अंधभक्त पैदा...

तो उसका नुकसान बच्चों को उठाना पड़ेगा।

शिक्षा विलासिता नहीं, हर विद्यार्थी का अधिकार

राहुल गांधी ने कहा कि विद्यार्थी देश की नींव होता है और वही देश को बनाता है। शिक्षा कोई विलासिता नहीं है, बल्कि हर विद्यार्थी का अधिकार है। उन्होंने कहा कि बालवाड़ी से लेकर मध्याह्न भोजन, स्कूल, महाविद्यालय और फिर रोजगार तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सरकार की है।राहुल ने कहा कि सरकार को शिक्षा की व्यवस्था चलानी चाहिए, लेकिन देश में इसका उलटा हो रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा देश की नींव है और सरकार की जिम्मेदारी है कि हर छात्र को शिक्षा और रोजगार के अवसर मिलें।

क़यामत आने...

अल-नीनो प्रशांत महासागर से जुड़ी एक प्राकृतिक जलवायु घटना है, जिसमें समुद्र की सतह का पानी सामान्य से काफी अधिक गर्म हो जाता है। इसका प्रभाव दुनिया के कई हिस्सों के मौसम पर पड़ता है। भारत में आमतौर पर अल-नीनो का संबंध कमजोर या देर से आने वाले मानसून और अधिक गर्मी से देखा जाता है। हालांकि, हर अल-नीनो का प्रभाव एक जैसा नहीं होता।

वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बार प्रशांत महासागर में समुद्र का तापमान असामान्य रूप से बढ़ रहा है। इसलिए आने वाले महीनों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। यह स्थिति सामान्य अल-नीनो वर्षों से काफी अलग हो सकती है। इसके असर को समझने और दर्ज करने के लिए अभी से बड़े स्तर पर निगरानी जरूरी हो गई है।

गर्मी और सूखे का बढ़ता खतरा

वैज्ञानिकों को आशंका है कि नवंबर 2026 से अगले साल तक भारत के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक गर्म और सूखा मौसम देखने को मिल सकता है। बारिश कम होने पर पानी की कमी बढ़ सकती है, जिसका सीधा असर खेती, जंगलों और पशुपालन पर पड़ेगा।गर्मी और सूखे का सबसे ज्यादा प्रभाव उन इलाकों पर हो सकता है, जहां पहले से ही पानी की कमी रहती है। रेगिस्तानी क्षेत्रों और ऊंचे पहाड़ी इलाकों में रहने वाले पौधों तथा जानवरों के लिए ऐसी स्थिति और भी कठिन हो सकती है। पानी के संसाधनों पर दबाव बढ़ने से न केवल कृषि उत्पादन प्रभावित होगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी दबाव में आ सकती है।

शहरों में भी गर्मी का असर बढ़ सकता है, क्योंकि कंक्रीट और सड़कों के कारण शहरी क्षेत्र पहले से ही आसपास के ग्रामीण इलाकों की तुलना में अधिक गर्म होते हैं। लंबे समय तक चलने वाली तेज गर्मी लोगों के स्वास्थ्य और शहरों में लगे पेड़-पौधों के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है।

लगातार गर्मी और पानी की कमी से जंगलों में आग लगने का खतरा काफी बढ़ सकता है। सूखे जंगल जल्दी आग पकड़ सकते हैं और आग लंबे समय तक फैल सकती है। इससे पेड़-पौधों के साथ-साथ पक्षियों और दूसरे वन्यजीवों को भारी नुकसान हो सकता है।

मौसम में अचानक बदलाव से जानवरों के भोजन, प्रजनन चक्र और रहने के स्थान पर भी असर पड़ सकता है। इससे जंगलों में अलग-अलग प्रजातियों के बीच संतुलन बदलने की आशंका है, जिसका प्रभाव पूरी भोजन श्रृंखला पर पड़ सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि समय रहते निगरानी नहीं बढ़ाई गई तो इन बदलावों को ठीक से समझना और दर्ज करना मुश्किल हो जाएगा।

समुद्री क्षेत्रों में बढ़ती समस्या

अल-नीनो का असर केवल जमीन तक सीमित नहीं रहेगा। भारत के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में समुद्र का तापमान बढ़ने से समुद्री लू यानी समुद्री ताप-लहर आ सकती है। समुद्र का पानी बहुत गर्म होने पर प्रवाल भित्तियों यानी मूंगा चट्टानों में बड़े पैमाने पर प्रवाल विरंजन हो सकता है, जिससे प्रवाल कमजोर होकर मर सकते हैं।

समुद्री तापमान में बदलाव से मछलियों के रहने और भोजन खोजने के स्थान भी बदल सकते हैं। इसका सीधा असर मछुआरों की कमाई पर पड़ेगा। तटीय समुदाय, जो मछली पकड़ने पर निर्भर हैं, उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की निगरानी भी उतनी ही जरूरी है, जितनी स्थलीय क्षेत्रों की।

इंसानों पर पड़ने वाले प्रभाव और तैयारी की जरूरत

प्राकृतिक बदलावों का असर आखिरकार आम लोगों तक पहुंचता है। किसान, मछुआरे और पशुपालक मौसम पर काफी निर्भर रहते हैं। कम बारिश और अधिक गर्मी से खेती प्रभावित हो सकती है। पहाड़ी इलाकों में घास कम होने से पशुपालकों के सामने चारे की समस्या आ सकती है।

वैज्ञानिकों ने जोर दिया है कि इस बार नुकसान होने के बाद अध्ययन करने के बजाय पहले से तैयारी करनी चाहिए। इसके लिए पुराने शोध और लंबे समय से चल रहे पर्यावरणीय अध्ययनों को जारी रखना जरूरी है। स्थानीय स्तर पर छोटे मौसम केंद्र बनाए जाने, तापमान और नमी का रिकॉर्ड रखने तथा अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों के वैज्ञानिकों के बीच सहयोग बढ़ाने की मांग की गई है।

पुराने उपग्रह आंकड़ों का इस्तेमाल करके यह समझने की कोशिश की जा सकती है कि सामान्य परिस्थितियों में अलग-अलग पारिस्थितिकी तंत्र कैसे काम करते हैं। उनका कहना है कि यदि समय पर शोध दल मैदान में नहीं पहुंच पाए तो इस असाधारण मौसम के दौरान होने वाले कई महत्वपूर्ण बदलाव हमेशा के लिए दर्ज होने से रह सकते हैं।

अल-नीनो को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उसके असर को समझने और उससे मिलने वाली वैज्ञानिक जानकारी को सुरक्षित रखने की तैयारी अभी की जा सकती है। आने वाले महीने भारत के पर्यावरण और जलवायु अनुसंधान के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। समय रहते निगरानी और शोध को प्राथमिकता देकर हम न केवल नुकसान को कम कर सकते हैं, बल्कि भविष्य की जलवायु चुनौतियों के लिए भी बेहतर तरीके से तैयार हो सकते हैं।

गरबा पार्टनर...

अंदाज में डांडिया खेला जाएगा। हर साल नवरात्रि आते ही युवाओं में गरबा और डांडिया का जबरदस्त उत्साह देखने को मिलता है। इसी बीच सोशल मीडिया पर किराए पर गरबा पार्टनर उपलब्ध कराने वाले पोस्टर तेजी से प्रसारित हो रहे हैं। यह पोस्टर उन लोगों के लिए बताया जा रहा है, जिनके पास गरबा में साथ जाने के लिए कोई पार्टनर नहीं है। पोस्टर पर साफ लिखा है इस नवरात्रि, अकेले डांस मत करो। हैरानी की बात यह है कि यह कथित चलन सिर्फ लड़कों तक सीमित नहीं है। सोशल मीडिया पर लड़कियों की तस्वीरों के साथ भी इसी तरह के दर-कार्ड वाले पोस्टर धड़ल्ले से साझा किए जा रहे हैं। इनमें पार्टनर किराए पर देने के तीन अलग-अलग पैकेज बताए गए हैं।

1. सिल्वर पैकेज1000 रुपये

इसमें 2 घंटे तक गरबा करने का मौका मिलेगा। साथ में मिलते-जुलते कपड़े, गरबा के मूल नृत्य-चरण सिखाना और आकर्षक सेल्फी खिंचवाना शामिल है।

2. गोल्ड पैकेज1500 रुपये

इसमें 4 घंटे का गरबा रहेगा। लोगों को सुनाने के लिए मिलने की झूठी कहानी तैयार की जाएगी। मिलते-जुलते कपड़े, इंस्टाग्राम के लिए फोटो-रील्स और दोस्तों को ङ्भाई-भाभीफ बुलाने की सुविधा भी मिलने की बात कही गई है।

3. प्लैटिनम पैकेज2000 रुपये

यह सबसे महंगा पैकेज बताया गया है। इसमें पूरी रात गरबा, शानदार नृत्य-चरण, माथा चूमना या भीड़ में हाथ पकड़ना शामिल है। इसके अलावा दुपट्टा संभालने से लेकर गरबा के बाद घर या पार्टी तक सुरक्षित छोड़ने का वादा भी किया गया है।

पकड़े गए तो हम खेलेंगे डांडिया: बजरंग दल

इस कथित चलन के सामने आने के बाद बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने कड़ा एतराज जताया है। बजरंग दल का कहना है कि पवित्र पर्व नवरात्रि भक्ति और शक्ति की उपासना का उत्सव है। इसे डेटिंग या पश्चिमी सभ्यता के रंग में रंगकर बदनाम करने की इजाजत बिल्कुल नहीं दी जाएगी।

बजरंग दल ने सख्त चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यदि गुजरात के सूरत या आसपास के इलाकों में कोई व्यक्ति भाड़े का पार्टनर बनते या ऐसी गतिविधि करते पकड़ा गया, तो बजरंग दल के कार्यकर्ता उसके साथ सीधे अपने अंदाज में डांडिया खेलेंगे।

बजरंग दल ने लोगों से की अपील

बजरंग दल के जिला समन्वयक प्रताप राजपुरोहित ने इस मामले में वीडियो जारी कर लोगों को सावधान किया है। उन्होंने कहा, जय श्रीराम, जय माता जी। मैं प्रताप राजपुरोहित। हाल ही में कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर एक विषय काफी चर्चा में है कि नवरात्रि में भाड़े पर पार्टनर मिलेंगे। इसके पीछे कौन असामाजिक तत्व लगे हुए हैं, जो इतनी ओछी मानसिकता फैला रहे हैं? मेरी आप सभी से विनम्र विनती है कि ऐसी पोस्टों से दूर रहें। जहां तक है, ये पोस्टें और ऐसे विषय एक तरह का धोखा हैं। आप ऐसे धोखे से दूर रहें और ऐसी चर्चाओं में न पड़ें। जो भी असामाजिक तत्व इसके पीछे हैं या जिनके ऐसे संदेश आते हैं, आप नजदीकी पुलिस स्टेशन जाकर उन पर कायदे से कार्रवाई कराएं। हमें भी पता चलेगा तो पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर इन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खैरताबाद...

इसके बाद उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर सिकंदराबाद सीट से चुनाव लड़ा था। उस समय वह विधानसभा में भारत राष्ट्र समिति के विधायक बने हुए थे। इसी आधार पर उनके खिलाफ दलबदल कानून के तहत अयोग्यता की मांग की गई थी।

उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में सिकंदराबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के कारण नागेंद्र 23 अप्रैल 2024 से तेलंगाना विधानसभा के सदस्य के रूप में अयोग्य हो गए थे। अदालत ने खैरताबाद विधानसभा सीट को रिक्त घोषित करते हुए अपने आदेश की प्रति विधानसभा अध्यक्ष और निर्वाचन आयोग को भेजने का निर्देश भी दिया था।

इस मामले में भारत राष्ट्र समिति के विधायक पाडी कौशिक रेड्डी और भाजपा विधायक एलेटी महेश्वर रेड्डी पहले ही सर्वोच्च न्यायालय में कैविएट दाखिल कर चुके हैं। दोनों नेताओं ने मांग की है कि दानम नागेंद्र की याचिका पर कोई भी आदेश जारी करने से पहले उनका पक्ष भी सुना जाए।

पाडी कौशिक रेड्डी और एलेटी महेश्वर रेड्डी की याचिकाओं के बाद पहुंचा था मामला उच्च न्यायालय

दरअसल, नागेंद्र की अयोग्यता का मामला पी. कौशिक रेड्डी और एलेटी महेश्वर रेड्डी की ओर से दायर याचिकाओं के बाद उच्च न्यायालय पहुंचा था। दोनों ने विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें नागेंद्र को अयोग्य घोषित करने की मांग खारिज कर दी गई थी। उच्च न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष का फैसला पलटते हुए नागेंद्र की विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी और खैरताबाद विधानसभा सीट को रिक्त घोषित कर दिया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 20 सितंबर, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी
भी समस्या या सुझाव के लिए
मो. 86888 68345 पर
संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज सदस्यता अभियान समिति का गठन

मुकुंदलाल अग्रवाल बने चेयरमैन, समाज के अधिक से अधिक अग्रबंधुओं को सदस्य बनाने का लक्ष्य

हैदराबाद, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल द्वारा समाज की सदस्य संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से सदस्यता अभियान समिति का गठन किया गया है। समाज की मीडिया एवं प्रचार-प्रसार समिति के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से इसकी जानकारी दी।

मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि समाज द्वारा प्रत्येक अग्रबंधु को समाज से जोड़कर सदस्य बनाने के उद्देश्य से इस समिति का गठन किया गया है। समिति में महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा के परामर्शदाता मुकुंद लाल अग्रवाल को चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वहीं उमा शंकर गोयंका, पंकज कुमार संघी, नीरज कुमार केडिया, डॉ. सरिता गर्ग और मुकेश केडिया को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

चेयरमैन
मुकुंद लाल अग्रवाल
वाईस चेयरमैन
पंकज कुमार संघी
वाईस चेयरमैन
उमाशंकर गोयंकी
वाईस चेयरमैन
मुकेश केडिया
वाईस चेयरमैन
नीरज केडिया
वाईस चेयरपर्सन
डॉ. सरिता गर्ग

चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि हैदराबाद और सिकंदराबाद के अतिरिक्त तेलंगाना के विभिन्न जिलों के निवासी भी समाज से जुड़ रहे हैं तथा वहां समाज की शाखाएं स्थापित की गई हैं।

उन्होंने बताया कि समाज द्वारा इंडक्शन चूल्हे, शिक्षा सहायता, एकल नारी पेंशन, श्री जगन्नाथपुरी एवं श्रीशैलम तीर्थ यात्रा, राशन किट वितरण आदि सहायता योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के लाभार्थी सभी अग्रबंधुओं से आग्रह किया गया है कि वे अपने परिवार, रिश्तेदारों एवं मित्र अग्रबंधुओं को भी समाज का सदस्य बनवाएं।

मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि भविष्य में जिन परिवारों के सभी सदस्य अग्रवाल समाज की सदस्यता प्राप्त करेंगे, उन्हीं परिवारों को सहायता योजनाओं का लाभ दिए जाने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने सभी अग्रबंधुओं से अपने परिवार के सदस्यों को समाज की सदस्यता दिलाने का आग्रह किया।आगामी अग्रसेन जयंती के अवसर पर नवरात्रि के दौरान क्लासिक-3, शमशाबाद में डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में सिनेमा जगत के प्रसिद्ध कलाकारों के उपस्थित रहने की जानकारी दी गई है। मुंबई से संगीत दल का भी आयोजन किया गया है। इसके साथ ही गरबा एवं डांडिया के लिए अहमदाबाद और सूरत से कलाकारों के आने की बात कही गई है।

इस कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के सदस्य परिवारों को ही प्रवेश दिए जाने की जानकारी दी गई है। अतः समाज की ओर से सभी अग्रबंधुओं से आग्रह किया गया है कि वे अपने परिवार सहित समाज कार्यालय पहुंचकर सदस्यता प्राप्त करें।

राधा अष्टमी पर अन्नसेवा में उमड़ा सेवा भाव :जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को राधा अष्टमी के पावन अवसर पर बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम श्रद्धा एवं सेवा भावना के साथ आयोजित किया गया। राधा अष्टमी के विशेष अवसर पर आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने जरूरतमंदों को अन्न वितरित कर मानव सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि यह राधे रानी की ही कृपा है कि हम सभी लोग मिलकर इस प्रमुख सेवा कार्य को निरंतर करने में सक्षम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राधा अष्टमी का पर्व प्रेम, भक्ति, करुणा और समर्पण का संदेश देता है और ऐसे पावन अवसर पर जरूरतमंदों की सेवा करना अपने आप में सौभाग्य की बात है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से अन्नसेवा के माध्यम से सेवा और संस्कार की भावना को समाज में आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। अन्नसेवा केवल भोजन उपलब्ध कराने का कार्य नहीं, बल्कि जरूरतमंद व्यक्ति के प्रति अपनत्व और मानवता का भाव प्रकट करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि जब सेवा कार्य में सामूहिक सहभागिता होती है तो उससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और अन्य लोगों को भी सेवा के लिए प्रेरणा मिलती है।

राधा अष्टमी के अवसर पर आयोजित इस अन्नसेवा कार्यक्रम में अनिल धरशुवाले, दीपचंद अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल एवं ज्योति अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक अन्नसेवा में सहयोग किया और राधा रानी के चरणों में सेवा कार्य समर्पित किया।

आचार्य श्रीकांत महाराज के अवतरण दिवस पर

संस्कार सेवा अभियान भव्य रूप से मनाया गया

हैदराबाद, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) पूर्ण सेवा संस्थान के अध्यक्ष आचार्य श्रीकांत महाराज पियुष युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत और सनातन धर्म के उद्घघोतक है । महाराज के अवतरण दिवस को प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 19 सितम्बर को संस्कार सेवा अभियान - प्रेरणा दिवस के रूप बड़े उल्लास और ऊर्जा के साथ देश भर के विभिन्न राज्यों में शिष्यगणो, पूर्ण सेवा संस्थान के पदाधिकारियों एवं अनुयायियों द्वारा मनाया गया । सनातन धर्म में सेवा और संस्कारो को विशेष महत्व दिया गया है और गुरुदेव के जीवन में शिक्षा और संस्कार सेवा को प्रथम महत्वता है । महाराज समाज को शिक्षित, संस्कारवान और जागृत करने का ध्येय लेकर जीवन में आगे बड़ रहे है ।

धर्मो मातेव पुष्णानि धर्मः पाति पितेव च।
धर्मः सखेव प्रीणाति धर्मः स्निह्यति बन्धुवत्।।

इस श्लोक में धर्म की भूमिका की तुलना माता, पिता, मित्र और संबंधी से की गई है । धर्म माता की तरह पोषण करता है, पिता की तरह रक्षा करता है, मित्र की तरह खुशी देता है, और संबंधी की तरह स्नेह प्रदान करता है। यह बताता है कि धर्म जीवन के विभिन्न पहलुओं में कितना महत्वपूर्ण होता है।इसी संकल्प के साथ संस्कार सेवा अभियान हैदराबाद, तेलंगाना राज्य के साथ भारत के अन्य राज्यों में दिल्ली, मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, असम, सिक्किम में कई अनाथालय, स्कूल और और दृष्टि हीन बच्चों के साथ अन्या अन्य जगह पर मनाया गया । जिसमें से हैदराबाद के कुछ संस्थाओ के नाम यहाँ पर दिए गए है - देवनार फ़ाउंडेसन फ़ॉर द ब्लाइंड, बेगमपेट, कोटी विद्या स्कूल, जलपल्ली, वृद्धा आश्रम, काटेदान, सत्यम् शिवम् सुंदरम् गौशाला, सातमराई, मारवाड़ी प्रेस, अफ़ज़ल गंज, उस्मानिया हस्पिटल, चावड़ी अनाथ आश्रम बोलारम आदि जगह सेवा अभियान चलता गया । इस अवसर पर संस्थान के कोषाध्यक्ष गोपाल सनातनी, महामंत्री प्रशांत सिंह, सचिव आदित्य लहोटी, दीपेश राव, प्रतिदिन प्रभुप्रसाद सेवा संचालक शांतिलाल जैन, अश्वनी चौहान, महाराष्ट्र युवा प्रकोष्ठ प्रमुख श्रीनिवास चौहान, अरुण पाठक, सुप्रीम कोर्ट के सीनियर अधिवक्ता प्रभु दयाल शुक्ला, दीपक परिहार, डॉ. शीतल सोनी, हेमंत शर्मा, आशीष शर्मा, पंडित राजेश शर्मा, पंडित शिव, रामबाबू मुंदड़ा, राजू सिंह, हेमंत शर्मा, अरुण शर्मा, लड्डू सिंह, नरसिंग सिंह, विशेष सिंह, आनंद शर्मा, अनीष कुमार, सुरेश माली एवं अन्य लोग उपस्तिथ रहे ।

हाईलाइफ प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ

सितंबर उत्सव विशेष संग्रह के साथ फैशन एवं जीवनशैली का महामेला

हैदराबाद, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

देश की सबसे बड़ी फैशन एवं जीवनशैली प्रदर्शनी ब्रांड हाईलाइफ प्रदर्शनी ने यहाँ सितंबर उत्सव विशेष का शुभारंभ किया। यह प्रदर्शनी 19, 20 और 21 सितंबर 2026 को हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र नोवोटेल, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में आयोजित हो रही है। इसमें प्रचलित डिजाइनर परिधान, रचनात्मक फैशन, आभूषण, जीवनशैली उत्पाद और अन्य अनेक आकर्षक वस्तुएँ प्रदर्शित की जा रही हैं।

हाईलाइफ प्रदर्शनी उत्सव, जीवनशैली, डिजाइनर, विलासिता, आभूषण एवं विवाह खरीदारी के लिए देश की सबसे प्रसिद्ध, सबसे प्रिय एवं सबसे बड़ी प्रदर्शनी ब्रांडों में से एक है। यह सितंबर उत्सव विशेष प्रदर्शनी 21 सितंबर 2026 तक हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र नोवोटेल, हाईटेक सिटी में चल रही है। इसमें प्रचलित उत्सव संग्रह, रचनात्मक फैशन परिधान, जीवनशैली परिधान, दुल्हन परिधान, डिजाइनर परिधान, सहायक वस्तुएँ, आभूषण और बहुत कुछ प्रदर्शित किया जा रहा है।

अभिनेत्री आशु रेड्डी एवं फैशन प्रेमियों की उपस्थिति में शुभारंभ

शनिवार को हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र नोवोटेल, हाईटेक सिटी में हाईलाइफ प्रदर्शनी के भव्य शुभारंभ समारोह में हाईलाइफ प्रदर्शनियों के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी एबी डोमिनिक के साथ अभिनेत्री आशु रेड्डी, अन्य हस्तियाँ, फैशन प्रेमी एवं उत्साही लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर बोलते हुए एबी पी डोमिनिक ने कहा, हाईलाइफ प्रदर्शनी देश की सबसे प्रसिद्ध, सबसे प्रिय एवं सबसे बड़ी प्रदर्शनी ब्रांड है। हैदराबाद में 21 सितंबर 2026तक हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र नोवोटेल, हाईटेक सिटी में सितंबर उत्सव विशेष प्रदर्शनी प्रस्तुत कर रहे हैं। इसमें आकर्षक प्रचलित उत्सव परिधान, रचनात्मक फैशन परिधान, लुभावने फैशन, डिजाइनर विशेष, उत्सव विशेष, दुल्हन परिधान, विवाह परिधान, सहायक वस्तुएँ, आभूषण एवं बहुत कुछ का संग्रह प्रदर्शित किया जा रहा है।

एबी डोमिनिक ने आगे कहा कि सितंबर उत्सव विशेष प्रदर्शनी में 350 से अधिक डिजाइनर भाग ले रहे हैं, जिससे खरीदारी और भी रोचक हो गई है। डिजाइनर अत्यंत विशिष्ट प्रवृत्तियाँ, शैलियाँ एवं बहुत कुछ प्रस्तुत कर रहे हैं।

हाईलाइफ प्रदर्शनी देश की अपनी तरह की सबसे बड़ी फैशन एवं जीवनशैली प्रदर्शनी है। इसका कारण इसके शीर्ष फैशन लेबल, शीर्ष डिजाइनर एवं कलात्मक संग्रह हैं, जो इसे खरीदारों के लिए अवश्य देखने योग्य प्रदर्शनी बनाते हैं।

गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने के हस्ताक्षर अभियान को भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति का समर्थन

हैदराबाद, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गौ माता को ङ्गराष्ट्र माताफ का दर्जा दिलाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर अभियान को भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति ने पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। अभियान को गणेश उत्सव के पंडालों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया।

इस संबंध में लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, शिव मंदिर गौशाला के अध्यक्ष अमित अग्रवाल एवं स्वामी श्रीराधे जी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के मानद मंत्री राविनूतला शशिधर एवं मंत्री आले भास्कर राज से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने गणेश उत्सव के दौरान स्थापित होने वाले पंडालों के माध्यम से हस्ताक्षर अभियान चलाने का आग्रह किया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि भाग्यनगर में स्थापित लगभग 1.5 लाख गणेश पंडालों पर स्वयंसेवकों के माध्यम से हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। समिति सभी पंडाल आयोजकों को इस संबंध में आधिकारिक परिपत्र जारी करेगी। अभियान को हैदराबाद के आसपास के क्षेत्रों में स्थापित गणेश पंडालों तक भी पहुंचाया जाएगा।

इस अवसर पर जसमत पटेल ने कहा कि गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग के समर्थन में एक करोड़ हस्ताक्षर एकत्र कर केंद्र सरकार को सौंपने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि 1.5 लाख गणेश पंडालों के सहयोग से यह अभियान व्यापक जनभागीदारी का रूप ले सकता है।

भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के मानद मंत्री राविनूतला शशिधर ने कहा कि समिति गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग का पूर्ण समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि गणेश उत्सव धर्म का उत्सव है और गौ-सेवा को महत्वपूर्ण दायित्व मानते हुए हर पंडाल को अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

बैठक का समापन गौ-रक्षा एवं गौ-संवर्धन के लिए मिलकर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

अग्रवाल समाज की नई शाखा अग्रसेन सेतु शाखा का उद्घाटन

हैदराबाद, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की अग्रसेन सेतु शाखा का विधिवत उद्घाटन समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल द्वारा समाज के कार्यालय राघवरत्ना टावर, चिराग़ अली लेन में किया गया । अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, मंत्री डॉ. सीमा अग्रवाल, सदस्यता अभियान के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष श्रीमती सोनिया अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, मंत्री मनोज बंसल, सहमंत्री अभय मंगल, कोषाध्यक्ष राजेश गोयल, केंद्रीय समिति सदस्य अलका मिंडा, आशीष कुमार अग्रवाल आदि उपस्थित थे

प्रधानमंत्री ने सेमीकॉन इंडिया 2026 का उद्घाटन किया

मोदी ने भारत को सेमीकंडक्टर महाशक्ति बनाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली के यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने भारत को सेमीकंडक्टर महाशक्ति बनाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

उद्घाटन संबोधन में प्रधानमंत्री ने भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा की तुलना उद्योग की टेप-आउट अवधारणा से की और कहा कि यह कोई अंत नहीं, बल्कि अगली पीढ़ी की शुरुआत है। प्रधानमंत्री ने कहा, कोई भी राष्ट्र एक रात में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र नहीं बनाता। इसमें दशकों की क्षमता-निर्माण की जरूरत होती है। फिर भी उद्योग जगत के नेताओं के साथ साझेदारी में भारत ने इस समयसीमा को उल्लेखनीय रूप से संक्षिप्त कर दिया है।

सेमीकॉन 2.0 के अगले चरण में छह रणनीतिक स्तंभों – डिजाइन, मशीनें एवं सामग्री, अधिक फैब की स्थापना, एटीएमपी/ओएसएटी उद्योग को मजबूत करना, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रतिभा विकास – पर काम किया जा रहा है। इसके लिए बजट बढ़ाकर 1,27,500 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि सेमीकॉन 2.0 पारिस्थितिकी तंत्र के अंतर्गत लगभग 1 लाख करोड़ रुपये (लगभग 11-12 अरब अमेरिकी डॉलर) के निवेश प्रतिबद्धताएँ पहले ही प्राप्त हो चुकी हैं। इनसे करीब 1 लाख नए रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। ये निवेश अगले दो-तीन वर्षों में साकार होंगे, जब कंपनियाँ बोर्ड और शेयरधारकों की मंजूरी मिलने के बाद अपनी घोषणाएँ करेंगी।

सेमी के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजीत मनोचा ने कहा, 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर का सेमीकंडक्टर लक्ष्य अब 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की ओर बढ़ रहा है। भारत की खपत सालाना दोगुनी हो रही है, जबकि वैश्विक बाजार 60 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। सेमीकॉन 2.0 के तहत घरेलू विनिर्माण बढ़ने से भारत को महत्वपूर्ण आर्थिक वृद्धि हासिल होने की संभावना है। एआई युग में वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला को नई प्रौद्योगिकी सफलताओं, मजबूती और गहरी प्रतिभा पाइपलाइन के लिए अपना भौगोलिक विस्तार करना होगा। भारत का रणनीतिक फोकस इसे वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का मान्यता प्राप्त केंद्र और महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का है। 2026 का शब्द है ङ्गअपरिहार्यताफ यही भारत का आगे का रास्ता है।

सेमी इंडिया एवं आईईएसए के अध्यक्ष अशोक चंदक ने कहा, सेमीकॉन इंडिया 2026 के सफल दो दिनों ने भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा के पीछे बढ़ते विश्वास, प्रतिबद्धता और गति को प्रदर्शित किया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा उद्घाटन ने इस यात्रा को और मजबूत राष्ट्रीय एवं वैश्विक आयाम दिया है। 50 से अधिक समझौता ज्ञापन, प्रमुख घोषणाएँ, 7 अरब डॉलर से अधिक के निवेश प्रतिबद्धताएँ, वाणिज्यिक लॉन्च, वैश्विक सीएक्सओ की भागीदारी और मजबूत उद्योग जुड़ाव के साथ सेमीकॉन इंडिया 2026 ने दिखाया है कि पारिस्थितिकी तंत्र अब किस पैमाने पर आकार ले रहा है। यह तो सिर्फ शुरुआत है। भारत विश्वसनीयता से क्षमता निर्माण की ओर बढ़ रहा है और वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में खुद को एक विश्वसनीय एवं प्रतिस्पर्धी खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रहा है।

कार्यक्रम के पहले दो दिनों में नीति-निर्माताओं, वैश्विक सेमीकंडक्टर नेताओं, भारतीय उद्योग, शोधकर्ताओं, स्टार्टअप्स, शिक्षाविदों और छात्रों सहित कुल 28,000 प्रतिभागियों ने विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला, अनुसंधान एवं विकास, अंतरराष्ट्रीय साझेदारी, चिप डिजाइन, एडवांस्ड पैकेजिंग, सामग्री और प्रतिभा विकास जैसे विषयों पर चर्चा की। यह भारत की सिलिकॉन टू सिस्टम्स पारिस्थितिकी तंत्र की दिशा में प्रगति को दर्शाता है।

अशोक चंदक ने आगे कहा, इस साल सेमीकॉन इंडिया की ऊर्जा खुद बोल रही है – प्रदर्शनी फ्लोर से लेकर हैकथॉन, स्टार्टअप पवेलियन से लेकर देश राउंडटेबल और सेमीकंडक्टर सामग्री, विनिर्माण, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, एडवांस्ड पैकेजिंग, लॉजिस्टिक्स, डिजाइन एवं स्किलिंग में भारतीय एवं वैश्विक भागीदारों के साथ रणनीतिक सहयोग तक। यह एक आंदोलन है, कोई क्षण नहीं। भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा तेजी से आगे बढ़ रही है।

कार्यक्रम में 40,000 से अधिक आगंतुकों, 400 से अधिक अधिकारियों, 150 से अधिक वक्ताओं, 600 से अधिक कंपनियों तथा 52 देशों के प्रतिनिधियों की भागीदारी होने का अनुमान है। ये आँकड़े वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में भारत की नई स्थिति को रेखांकित करते हैं।

सेमीकॉन इंडिया 2026 के पहले और दूसरे दिन समझौता ज्ञापन प्रेस ब्रीफिंग में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में कई समझौता ज्ञापन और उत्पादों का अनावरण हुआ, जो भारत के सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण कदम हैं।

एल नीनो और वर्षा की कमी से

आंध्र प्रदेश के कुछ इलाकों में गणेश विसर्जन के लिए पानी नहीं

कडपा/अनंतपुर, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इस वर्ष आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में गंभीर सूखे की स्थिति और एल नीनो के प्रभाव ने गणेश उत्सव आयोजकों तथा भक्तों के लिए असामान्य समस्या पैदा कर दी है। कई तालाब, कुंड और अन्य जल स्रोत सूख गए हैं या उनमें पानी का स्तर बेहद कम रह गया है।

अनंतपुर जिले में जल संकट ने कई क्षेत्रों में गणेश मूर्ति विसर्जन को प्रभावित किया है। पुतलूर मंडल मुख्यालय के स्थानीय तालाब में लंबे समय तक वर्षा न होने के कारण पानी पूरी तरह सूख गया है। विभिन्न स्थानों से विसर्जन के लिए मूर्तियाँ लेकर आए भक्तों के पास कोई विकल्प नहीं बचा और उन्हें सूखे तालाब में मूर्तियाँ रखकर बिना परंपरागत विसर्जन किए वापस लौटना पड़ा।

कडपा जिले में भी यही स्थिति देखी जा रही है। नदियों, सिंचाई परियोजनाओं, तालाबों और नहरों में पानी का स्तर बहुत कम होने से बड़ी गणेश मूर्तियों का विसर्जन कठिन हो गया है। एल नीनो प्रभाव से उत्पन्न सूखे जैसी स्थितियों के कारण उत्सव आयोजकों में उपयुक्त विसर्जन स्थलों की उपलब्धता को लेकर चिंता बढ़ गई है।

कडपा के 40 मंडलों में से 27 मंडलों में सामान्य से 50 प्रतिशत से भी कम वर्षा दर्ज की गई है, जबकि शेष 13 मंडलों में भी उल्लेखनीय वर्षा की कमी है।

वर्षा की इस कमी ने भूजल उपलब्धता को भी प्रभावित किया है। पिछले वर्ष भूजल स्तर जमीन से 10.11 मीटर नीचे था, जो इस वर्ष गिरकर 13.58 मीटर नीचे पहुँच गया है।

इस स्थिति में भक्त और गणेश उत्सव समितियाँ सुरक्षित विसर्जन स्थलों की तलाश में हैं। कई पारंपरिक जल स्रोत या तो पूरी तरह सूख चुके हैं या उनमें बहुत कम पानी बचा है। ऐसे में प्रशासन और आयोजक विसर्जन के वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर विचार कर रहे हैं।

जल संकट ने पर्यावरण-अनुकूल मिट्टी की गणेश मूर्तियों के उपयोग पर चर्चा को भी बढ़ावा दिया है। ये मूर्तियाँ विसर्जन के लिए कम पानी की मांग करती हैं और पहले से ही कम हो चुके जल स्रोतों पर दबाव कम करने में सहायक हो सकती हैं।

अनंतपुर और कडपा की यह स्थिति दर्शाती है कि वर्षा की कमी और सूखे की स्थिति न केवल कृषि एवं पेयजल उपलब्धता को प्रभावित कर रही है, बल्कि गणेश मूर्ति विसर्जन जैसी पारंपरिक उत्सव प्रथाओं को भी प्रभावित कर रही है।

15वां श्री शारदा शताब्दी सम्मान समारोह हैदराबाद में संपन्न

हैदराबाद, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीमद् जगद्गुरु शारदा सर्वज्ञ पीठम न्यास, कश्मीर, भारत और श्री शारदा शताब्दी सम्मान आयोजन समिति के तत्वावधान में आज तेलंगाना देवभूमि हैदराबाद (शमशाबाद, हवाई अड्डे के निकट) में 15वां श्री शारदा शताब्दी सम्मान समारोह 2026 का आयोजन किया गया। यह समारोह भाद्रपद शुक्ल अष्टमी (शारदा अष्टमी), विक्रम संवत 2083 को प्रातः 11:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक आयोजित हुआ।

समारोह में तेलंगाना के माननीय राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन समिति के संरक्षक पीठाधीश्वर अनंत श्री स्वामी अमृतानंद देव तीर्थ जी महाराज की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

यह समारोह केवल सम्मान वितरण का आयोजन नहीं था, बल्कि कश्मीर की शारदा सर्वज्ञ पीठ को भारत की प्राचीन विद्या राजधानी के रूप में स्मरण करने का सार्वजनिक संकल्प था। यही वह पीठ है जहाँ आदि शंकराचार्य को जगद्गुरु पद प्राप्त हुआ था और जहाँ से वेद, योग, तंत्र तथा अद्वैत की धाराएँ शताब्दियों से विश्व को सिंचित करती रही हैं। समारोह का मूल संदेश था – भवन छिन सकता है, स्मृति नहीं। जब स्मृति संकल्प बन जाती है, तब सभ्यता स्वयं की ओर लौटती है।

मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल की उपस्थिति में विशिष्ट अतिथि रहे माननीय न्यायमूर्ति श्री पंकज मिथल (भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश) तथा प्रो. रामनारायण द्विवेदी (महासचिव, श्री काशी विद्वत् परिषद, वाराणसी)। मंच पर पूज्य स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती (राष्ट्रीय महासचिव, अखिल भारतीय संत समिति), मुख्य आतिथेय श्री सी.वी. कोसाना, श्री शारदा पीठ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कर्नल अश्विनी कुमार तथा प्रबंध न्यासी डॉ. राजा लंगर भी विराजमान रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती गरिमा त्रिपाठी ने किया।

समारोह का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर दो ग्रंथों का विमोचन भी किया गया – ङ्गो-भक्त: पंडित मदन मोहन मालवीयफ तथा प्रो. विवेकानंद तिवारी द्वारा रचित ङ्गभारतीय संस्कृति के आधारभूत तत्त्वफ (प्रकाशक: ल्यूमिनस बुक्स इंडिया, वाराणसी)।

माननीय राज्यपाल की उपस्थिति में पीठाधीश्वर ने शारदा अंबे जय पर ङ्गशारदा अंबे जय पूर्णाभिषेक दीक्षा पत्रफ प्रदान किया। दीक्षा को मात्र प्रमाण-पत्र नहीं, बल्कि गुरु-परंपरा के जीवंत संचरण के रूप में वर्णित किया गया।पीठाधीश्वर ने कहा, कश्मीर की शारदा सर्वज्ञ पीठ खंडहर नहीं है। यह भारत की विद्या राजधानी है। भवन छिन सकता है, स्मृति नहीं। आज दिए गए सम्मान किसी व्यक्ति को ऊँचा नहीं उठाते। वे केवल यह कहते हैं – आप अकेले नहीं हैं। माँ आपके साथ हैं। सम्मान लेकर न जाएँ, जिम्मेदारी लेकर जाएँ।

श्री शारदा शताब्दी सम्मान से सम्मानित हुए – पूज्य स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती, पूज्य संत कमल किशोर जी (महामंडलेश्वर, सहारनपुर), आचार्य राजेश वत्स (गुरु धाम वेद विद्या पीठम, कुरुक्षेत्र), श्री जुगल किशोर भदरिया (राजस्थान), प्रो. संतोष शुक्ल (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय), राष्ट्रीय कवि एवं गीतकार श्री रामायण धर द्विवेदी, अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय (सर्वोच्च न्यायालय), श्री तलविंदर हैप्पी सिंह, श्री जन्मजयराजे विजयसिंहराजे भोसले (अक्कलकोट), श्री आदित्य केडिया (हैदराबाद), ब्रह्मश्री डॉ. चिरावुरी वेंकट ब्रह्म सुब्रह्मण्यम (पी.एस. तेलुगु विश्वविद्यालय) तथा डॉ. विजयराघवाचार्युलु (निदेशक, सीटा, तेलंगाना एंडोमेंट्स)।

श्री शारदा शताब्दी विशेष सम्मान से सम्मानित हुए- मुख्य आतिथेय श्री सी.वी. कोसाना, डॉ. मृत्युंजय उपाध्याय (नारायण मेडिकल कॉलेज, सासाराम), सुश्री कोमल पटेल (लंदन), प्रो. घनश्याम दुबे (गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर), प्रो. पवित्र रंजन मैती (आईआईटी-बीएचयू), श्री देवेंद्र तिवारी (भारतीय किसान मंच एवं भारतीय गौ सेवा परिषद), श्री संदीप देव (संस्थापक-संपादक, पंडित मदन मोहन मालवीय पत्रकारिता सम्मान), श्री शुभ्रदीप साहू (मुंबई), कर्नल जॉय दासगुप्ता (सेना मेडल, 18 ग्रेनेडियर्स, तोलोलिंग-कारगिल), श्री जयेश शुक्ल (मुख्य पुजारी, श्री वेजनाथ मंदिर, गुजरात), श्री अनिल कुमार वाजपेयी (राष्ट्रपति पुलिस पदक), श्री पी.एन. रामचंद्र राव (पी.एन.आर., गायत्री कला चित्र, हैदराबाद), डॉ. अजय सिंह (राष्ट्रपति रोवर्स अवॉर्ड), श्रीमती सुधा स्वामी (नल्लाकुंटा शंकर मठ, हैदराबाद), डॉ. नंदा किशोर कुमार येर्रमसेट्टी (हैदराबाद) तथा कैप्टन गणेश कार्तिक।

राधा अष्टमी का सनातन संस्कृति में विशेष महत्व : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास जारी नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को राधा अष्टमी के पावन अवसर पर विशेष अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वातावरण भक्तिमय एवं सेवा भावना से ओत-प्रोत रहा। ग्रुप के सदस्यों ने श्रद्धा एवं समर्पण के साथ अन्नसेवा करते हुए राधा रानी का स्मरण किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधा अष्टमी सनातन संस्कृति का एक महत्वपूर्ण एवं पावन पर्व है। राधा रानी प्रेम, भक्ति, समर्पण और करुणा की प्रतीक मानी जाती हैं।

राधा अष्टमी का पर्व हमें निष्काम भक्ति के साथ-साथ मानव सेवा और परोपकार की भावना को जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि सेवा के कार्य को केवल एक कार्यक्रम के रूप में नहीं, बल्कि संस्कार और जिम्मेदारी के रूप में आगे बढ़ाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से की जा रही अन्नसेवा इसी भावना का एक प्रयास है। जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना, गौसेवा करना तथा समाज में सेवा और संस्कार की भावना को मजबूत करना ग्रुप के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है। राधा अष्टमी जैसे पावन अवसर पर अन्नसेवा करना सेवा और भक्ति के सुंदर संगम का प्रतीक है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में पर्व केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे समाज को आपसी प्रेम, सहयोग, करुणा और सेवा का संदेश भी देते हैं। राधा रानी के प्रति श्रद्धा तभी सार्थक है, जब हम उनके प्रेम और समर्पण के भाव को अपने आचरण में उतारते हुए मानवता की सेवा करें।

इस अवसर पर महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकर राम कुमावत, जय प्रकाश सारड़ा, प्रीतिका अग्रवाल, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, जगन गुप्ता, नंदगोपाल एवं जितेंद्र सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने राधा अष्टमी के अवसर पर अन्नसेवा में सहभागिता करते हुए सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

काजीपेट में 1.38 करोड़ रुपये की विमुद्रीकृत मुद्रा जब्त, आठ गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। काजीपेट पुलिस ने काजीपेट में अवैध रूप से विमुद्रीकृत 500 और 1,000 रुपये के नोट चलाने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से 1.38 करोड़ रुपये मूल्य के पुराने नोट जब्त किए। इसके अलावा वैध मुद्रा में 6,000 रुपये, 10 मोबाइल फोन और एक कार भी बरामद की गई। पुलिस के अनुसार यह गिरोह वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ा गया।

युवाओं से किए वादों का हिसाब दे बीआरएस : गड्डम वमसी कृष्णा

पेद्दापल्ली,। पेद्दापल्ली सांसद गड्डम वामसीकृष्णा ने कहा कि तेलंगाना आंदोलन में युवाओं के बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने बीआरएस के पिछले शासन के दौरान बेरोजगार युवाओं से किए गए वादों और भर्ती प्रक्रिया का पूरा हिसाब जनता के सामने रखने की मांग की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.